अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक – 157 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 7 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

फिरोजाबाद, मथुरा, आगरा जाएंगी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमें

लखनऊ (वेब वार्ता)। राजधानी लखनऊ स्थित संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एस जी पी जी आई), राममनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) और किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के विशेषज्ञ चिकित्सकों की तीन टीमें डेंगू और वायरल बुखार से प्रभावित आगरा, फिरोजाबाद और मथुरा जाएंगी। विशेषज्ञों की टीम तीनों जिलों के अस्पतालों में इलाज की प्रक्रिया देखेंगी और स्थानीय चिकित्सकों का मार्गदर्शन करेगी।

पत्नी के बाद अब सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे ने यूपी में शुरू किया ब्राह्मण अभियान

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रतिशोध के साथ ब्राह्मण कार्ड खेल रही है और बसपा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा का परिवार अभियान में अहम भूमिका निभा रहा है। मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के 70 से अधिक जिलों में ब्राह्मणों पर केंद्रित सभाओं को संबोधित किया है, वहीं उनकी पत्नी कल्पना मिश्रा ने ब्राह्मण समुदाय की महिलाओं की सभाओं को संबोधित करना शुरू कर दिया है। अब मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा भी जीत–ब्राह्मण अभियान में उतर गए हैं।

यूपी के 15 विश्वविद्यालयों में दीनदयाल उपाध्याय रिसर्च चेयर

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ाने और सांस्कृतिक विरासत के तत्वों को युवाओं के मन में बिठाने के दोहरे उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा प्रणाली में कुछ गुणात्मक परिवर्तन किए हैं। विश्वविद्यालयों में अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कई पहल की गई हैं और इनमें 15 राज्य विश्वविद्यालयों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान पीठ की स्थापना की गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर मामा ने भंजे के साथ की डेढ़ लाख की ठगी

बांदा,(वेब वार्ता)। क्षय रोग विभाग में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत शीतल प्रसाद ने अपने ही भांजे से नौकरी दिलाने के एवज में डेढ़ लाख रुपये ऐंठ लिए और भांजे ने नौकरी न मिलने पर अपना पैसा वापस मांगा तो मामा ने उल्टा मुकदमे में फंसाने की धमकी दी, जिससे परेषान होकर युवक ने आज एसडीएम बांदा से षिकायत की।

भाजपा की दमनकारी नीति के खिलाफ जनमत की लहर : अखिलेश यादव

लखनऊ(वेब वार्ता)। पश्चिमी यूपी में हुए किसान आंदोलन व शिक्षकों के आंदोलन को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि यह भाजपा की दमनकारी, विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ जनमत की लहर है। उन्होंने कहा है कि पश्चिम में किसानों ने और पूरब में शिक्षकों ने अभूतपूर्व एकजुटता दिखाई है।

फिरोजाबाद, मथुरा, आगरा जाएगी पीजीआई और आरएमएल के विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम

सीएम योगी ने जारी किए निर्देश, टीम में केजीएमयू के विशेषज्ञ डाक्टर भी मरीजों का करेंगे इलाज

लखनऊ (वेब वार्ता)। एसजीपीजीआई, राममनोहर लोहिया और केजीएमयू के विशेषज्ञ

चिकित्सकों की तीन टीमें आगरा, फिरोजाबाद और मथुरा जाएंगी। विशेषज्ञों की टीमें तीनों जिलों के अस्पतालों में इलाज की प्रक्रिया देखेंगी और स्थानीय चिकित्सकों का मार्गदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को इसके निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में आज सीएम ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल लखनऊ के तीन–तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की तीन टीम गठित कर फिरोजाबाद, मथुरा और आगरा में भेजने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि एक–एक मरीज की सेहत पर बारीकी से ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की यह टीम स्थानीय डॉक्टरों का मार्गदर्शन कर मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध करायेगी। तीनों जिलों में इलाज के लिए स्थानीय स्तर पर चिकित्सकों को युद्ध स्तर पर तैनात किया गया है। फिरोजाबाद में डेगूं व अन्य वायरल बीमारियों की रोकथाम के लिए अतिरिक्त बेड, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाइयां, जांच उपकरण आदि की व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार ने मरीजों के इलाज और बीमारी से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार सुविधाएं, दवाइयां और तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने की निर्देश भी दिए हैं। प्रभावित जिले में मरीजों की स्थिति पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। सीएम हेल्पलाइन द्वारा भी मरीजों और उनके परिजनों से संपर्क कर उनको मिल रहे इलाज और सुविधाओं की जानकारी लेने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन को लोगों को इस बात के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं कि बीमारी के हल्के लक्षण होने पर भी तत्काल निकटतम अस्पताल से सम्पर्क करें। पूरे अभियान पर खुद मुख्यमंत्री योगी नजर रख रहे हैं।

उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी

द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देशों का असर दिखने लगा है। उक्त के क्रम में आज कार्यवाही की गई है । प्रवर्तन, जोन–1 के विहित प्राधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि महेन्द्र शुक्ला, एस.के. गुप्ता एवं विशाल गुप्ता तथा अन्य द्वारा अलकनन्दा ग्रीन्स फेज–2 एवं 03 ग्राम–दुलारमऊ, किसान पथ (इनर रिंग), इन्दिरा नहर, निकट एक्सला कुटुम्ब ग्रुप हाउसिंग, थाना–गोसाई गंज, लखनऊ पर अनाधिकृत निर्माण किये जाने पर उसे सील किये जाने के आदेश दिये गये थे। उपरोक्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आज अधिशासी अभियन्ता अवनीन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में प्राधिकरण व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन गौरा विधानसभा के अंतर्गत मसकनवा फार्म पर आयोजित किया गया

अवध की आवाज

खोड़ारे गोण्डा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन गौरा विधानसभा के अंतर्गत मसकनवा फार्म पर आयोजित किया गया जिसमें अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री श्री विजय प्रताप सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर सभा को संबोधित किया उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं को प्रबुद्ध सम्मेलन में अवगत कराया क्षेत्रीय विधायक श्री प्रभात कुमार वर्मा जी सभा को संबोधित किया उन्होंने अपने क्षेत्र में 4 वर्षों में जो विकास कार्य किया जनता को बताया उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि पूर्व सरकारों ने पूरे प्रदेश को अंधेरा दे कर गई थी मेरी सरकार आते ही सभी गांव का विद्युतीकरण करा कर उजाला देने का काम किया पिछली सरकार गुंडा युक्त सरकार देकर गई थी मेरी सरकार आते ही पूरे प्रदेश में गुंडा मुक्त सरकार देने का कार्य किया कार्यक्रम में मौजूद रहे जिला अध्यक्ष श्री अमर किशोर कश्यप जी राकेश तिवारी जी पट्टू ओझा जी अनिल कुमार पासवान अजय तिवारी राम मूरत वर्मा विक्रम प्रसाद जितेंद्र पांडे शोहरत वर्मा जसवंत सिंह नीरज पटेल प्रमोद चंचल दिनेश शुक्ला भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी के एक तिहाई जिले कोरोना मुक्त

लखनऊ (वेब वार्ता)। कोरोना की दूसरी लहर पर लगभग काबू पर चुके उत्तर प्रदेश के एक तिहाई से अधिक जिले वैश्विक महामारी से निजात पर चुके है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कोविड प्रबंधन के लिये गठित टीम–09 की बैठक में कहा कि प्रदेश के 28 जिलों अलीगढ़, अमरोहा, अयोध्या, बागपत, बलिया, बांदा, बस्ती, भदोही, बिजनौर, चित्रकूट, देवरिया, फतेहपुर, गाजीपुर, गोंडा, हमीरपुर, हरदोई, हाथरस, कौशाम्बी, ललितपुर, महोबा, मथुरा, मीरजापुर, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, शामली, सीतापुर, सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। राज्य में औसतन हर दिन ढाई लाख से अधिक टेस्ट हो रहें हैं, जबकि पॉजिटिविटी दर 0.01 प्रतिशत से भी कम हो गया है और रिकवरी दर 98.7 फीसदी है।

अजय मिश्र, गृहराज्य मंत्री भारत सरकार ने किया अर्बन बैंक की पूर्ण कम्प्यूटरी कृत सीतापुर शाखा का शुभारंभ

सीतापुर। (सू0वि0) आज दिनांक 06.09.2021 को लखीमपुर अर्बन कोआपरेटिव बैंक लि0 की पूर्ण सुजज्जित एवं पूर्ण कम्प्यूटरीकृत सीतापुर–शाखा का उद्घाटन माननीय गृहराज्य मंत्री भारत सरकार श्री अजय मिश्र जी के करकमलों से

सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बैंक की सीतापुर शाखा पर आयोजित कार्यक्रम को भी माननीय मंत्री जी द्वारा संबोधित किया गया जहॉ उनका स्वागत बैंक अध्यक्ष द्वारा, बैंक संचालकों, प्रवर्तकों तथा बैंक अधिकारियोंध कर्मचारियों की उपस्थिति के मध्य किया गया। बैंक सचिवध्मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शवल गुप्ता द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया और सभा का सफल संचालन भी किया गया। इस अवसर पर लखीमपुर जनपद के भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुनील सिंह तथा सीतापुर जनपद के जिलाध्यक्ष श्री अचिन मेहरोत्रा, विधायक–मोहम्मदी श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व एमएलसी0 श्री भरत त्रिपाठी जी, श्रीमती दिव्या सिंह जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। बैंक के इस कार्यक्रम में व्यापार मण्डल अध्यक्ष श्री पवन अग्रवाल जी, अधिवक्ता संघ जिलाध्यक्ष श्री हरीश त्रिपाठी, श्री गोपाल टण्डन, भाजपा पूर्व अध्यक्ष–अजय गुप्ता जी, जीतेन्द्र बाजपेई, सी0ए0 हरीश शाहजी समेत सीतापुर एवं लखीमपुर जिले के अनेक प्रतिश्ठित एवं वरिष्ठ व्यवसायी तथा व्यवसायिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। माननीय मंत्री जी द्वारा अपने कार्यक्रम उद्बोधन में कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न वित्तीय सेवाओं के डिजिटलाईजेषन का लाभ वास्तविक मायने में कोविड महामारी में देखने को मिला है, जब सम्पूर्ण देश कोविड से ग्रसित था, बैंकों की डिजिटल सेवाओं ने देश की आर्थिक गतिविधियों को गतिमान रखा। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राहक सेवा को सुविधाजनक, सहज और आत्मीयतापूर्ण बनाये रखने से सहकारी बैंक भी सरकारी तथा प्राइवेट बैंकों के बराबर खडा हो सकते हैं, यह लखीमपुर अर्बन बैंक ने बखूबी दिखाया है और यही कारण है कि यह बैंक उत्तर प्रदेश की सहकारी बैंकों की अग्रिम पंक्ति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहा है। उन्होंने बैंक के कुशल नेतृत्व के लिये बैंक अध्यक्ष, संचालक मण्डल, बैंक सचिव, तथा सभी कर्म0 स्टाफ की प्रशंसा भी की । अपने अध्यक्षीय संबोधन में बैंक अध्यक्षा श्री मती पुष्पा सिंह द्वारा कहा गया कि बैंक माननीय मंत्री जी के मार्गदर्शन और आर्शीवाद से निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। बैंक संचालक श्री अवधेश सिंह जी द्वारा मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों का धन्यवाद् ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर बैंक उपाध्यक्ष श्री अरविन्द गुप्ता, संचालक श्री संजय मिश्रा, श्री दीपक तलवार, श्री सुनील बत्रा, श्री दिनेश कुमार गुप्ता, श्रीमती संतोषदेवी, श्री लल्लूराम शुक्ला एवं बैंक एजीएम अरूण जैसवाल, सौरभ दीक्षित, आशुतोष गुप्ता, शा0प्रबं0 नीरज सक्सेना सहित अनेक बैंक अधिकारीध कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सब एक साथ आकर लड़े तो भी 2022 में भाजपा 300 के पार: केशव मौर्य

लखनऊ (वेब वार्ता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार में रहकर भ्रष्टाचार करने वाले सपा, बसपा यूपी में सरकार बनाना भूल जाएं। यदि सपा, बसपा और कांग्रेस मिलकर भी चुनाव लड़ेंगे तो भी भारतीय जनता पार्टी की 2022 के विधानसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें आएंगी। केशव प्रसाद मौर्य ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति की बैठक के दूसरे दिन सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री रहते राजीव गांधी कहते थे कि एक रुपये भेजे जाते हैं तो गांव तक केवल 15 पैसे ही पहुंचते हैं। आज पीएम मोदी के नेतश्त्व में पूरा का पूरा पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहे हैं। सपा की सरकार में उत्तर प्रदेश में गुंडागर्दी चरम पर थी। आज कह सकते हैं कि हमारी माताएं बहनें सुरक्षित हैं। हर पुलिस थाने में एक महिला तैनात है। उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं। पहले सांसदों को 100 कनेक्शन का कोटा था। आज देश मे आठ करोड़ से ऊपर निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए। दो करोड़ से अधिक अकेले उत्तर प्रदेश की महिलाओं को कनेक्शन दिया गया है। पार्टी की तरफ से हम लोग घरों में जाकर महिलाओं को नहीं बता सकते। पार्टी की महिला कार्यकर्ता और नेता घरों में जाकर उन्हें मोदी और योगी सरकार की योजनाओं को समझा सकती हैं। कहा कि यह किसान आंदोलन नहीं है। मैं तो कहता हूं कि चुनाव आंदोलन है। जितना

काम किसानों के लिए मोदी योगी सरकार में हुआ, उसका 10 प्रतिशत सपा बसपा कांग्रेस के कार्यकाल में हुआ होता तो किसानों की कोई समस्या ही नहीं रहती। प्रदेश में जितना काम योगी सरकार में हुआ, उतना काम सपा बसपा के 15 साल के कार्यकाल में नहीं हुआ। हम तो इन्हें एक को सांपनाथ और एक नागनाथ मानते हैं। यह लोग मोदी को 2019 में सत्ता में नहीं आने देना चाहते थे। लेकिन क्या हुआ? क्या वह लोग बीजेपी को रोक पाए? भाजपा की एक बार फिर मजबूत जीत हुई। मोदी सरकार बनी तो जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटा। आज जम्मू कश्मीर में किसी भी राज्य का कोई भी व्यक्ति जमीन खरीद सकता है। हमारी महिला मोर्चा की बहनें भी वहां जमीन खरीद सकती हैं। मुस्लिम महिलाओं के साथ तीन तलाक समाप्त करके न्याय दिया गया। केशव ने दावा किया कि आगामी 2022 में सपा, बसपा और कांग्रेस समेत सारे दल भी एक हो जाएं तो भी भाजपा की 300 से ज्यादा सीटें पर जीत होगी। हम सबको याद रखना होगा कि हम सब किसी भी दायित्व पर क्यों न हों, हम पार्टी के कार्यकर्ता हैं। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता प्रत्येक सोमवार को जनता दर्शन के कार्यक्रम में आ सकती हैं। कोई भी समस्या हो बताएं। उसका हल निकालने की कोशिश की जाएगी। हमारे प्रधानमंत्री ने बहुत ही सरल भाषा में लोगों को समझाने के लिए नारा दिया है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। भारत में भी तालिबान की चर्चा बहुत है। लेकिन यहां तालिबान–पाकिस्तान नहीं चल सकता है। आज देश में 56 इंच के सीना वाले प्रधानमंत्री हैं। आज का भारत ईंट का जवाब पत्थर से और गोली का जवाब गोला से देने का साहस रखता है।

सरकारी धन के गबन के आरोपी ग्राम विकास अधिकारी के विरूद्ध अभियोग की दीमंजूरी

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा शासन प्रशासन कितना भी चुस्त–दुरुस्त क्यों ना हो जाए किंतु यह सरकारी कर्मचारी अपनी हरकत से बाज नहीं आते हैं और मौका मिलते ही कहीं ना कहीं आम जनता से या सरकारी महकमे से कुछ ना कुछ हरकत करते ही रहते हैं जबकि जिला प्रशासन के प्रशासक बहुत ही अपने आप में चुस्त दुरुस्त है जिला प्रशासन सभी विभाग के कर्मचारियों पर अपना दृष्टि जमा रखा है। जिला अधिकारी मार्कण्डेय शाही ने वित्तीय अनियमितता कर सरकारी धन का गबन करने के आरोपी ग्राम विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार एवं तकनीकी सहायक राम उबारन तिवारी विकासखण्ड बेलसर के विरूद्ध अभियोग चलाने की अनुमति प्रदान कर दी है। बताते चलें कि मेड़बन्दी कार्य में अनियमितता की शिकायत पर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा दोनों के विरूद्ध थाना उमरीबेगमगंज में मुकदमा दर्ज कराया गया । जिसमें जांच के दौरान दोनों दोषी पाए गए जिलाधिकारी ने बताया कि चन्द्रभूषण पाण्डेय विवेचकध्उपनिरीक्षक, थाना–उमरी बेगमगंज, जिला के द्वारा मु0अ0सं0 210ध्2020 धारा 409 भा0द0वि0 बनाम राजेन्द्र कुमार, ग्राम विकास अधिकारी एवं श्री राम उबारन तिवारी, तकनीकी सहायक, विकासखण्ड बेलसर गोण्डा की केस डायरी के परीक्षण में पाया गया कि थाना उमरी में दर्ज अभियोग में राम अचल पुत्र अलखराम के खेत में मेढ़बन्दी कार्य पर धनराशि 39396 एवं कार्य सुरेश कुमार पुत्र साहेबराम के खेत में मेढ़बन्दी कार्य पर धनराशि 39396 का भुगतान गलत कराया गया जिसके लिए सम्बन्धित ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी इस सम्बन्ध में दोषी अधिकारियों के विरूद्ध अभियोग प्रचलित करने के लिए जिला विकास अधिकारी द्वारा बतौर नियुक्ति प्राधिकारी डीएम से अनुमति मांगी गई, जिस पर डीएम मार्कण्डेय शाही ने राजेन्द्र कुमार पुत्र जियालाल, ग्राम विकास अधिकारी विकासखण्ड–कटरा बाजार गोण्डा निवासी–फैजाबाद रोड, पूरे शिवा बख्तावर, बुधई पुरवा, थाना–कोतवाली नगर गोण्डा के विरुद्ध धारा–409 भादवि0 के तहत अभियोग चलाए जाने की अनुमति प्रदान की गई है।

खिसक रही है भाजपा की राजनीतिक जमीन : मायावती

लखनऊ (वेब वार्ता)। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि भाजपा द्वारा बोये गए नफरत की बीज के कारण उसकी राजनीतिक जमीन खिसकती नजर आ रही है। इसके अतिरिक्त उन्होंने सपा और कांग्रेस के शासन को भी दंगा युक्त बताया है। इसी के साथ मायावती ने अपनी पार्टी ने निकाले गये जयप्रकाश से सावधान रहने की सलाह दी है। मायावती ने सोमवार को सुबह दो ट्वीट किये। पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा कि किसान देश की शान हैं तथा हिन्दू–मुस्लिम भाईचारा के लिए मंच से साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए लगाए गए नारों से भाजपा की नफरत से बोयी हुई उनकी राजनीतिक जमीन खिसकती हुई दिखने लगी है तथा मुजफ्फर नगर ने कांग्रेस व सपा के दंगा–युक्त शासन की भी याद लोगों के मन में ताजा कर दी है।

बारिश ना होने से धान की फसल सूखने की स्थिति में ,, किसान है बहुत परेशान

अवध की आवाज

गोंडा। बताते चलें कि गोंडा जिला के ब्लॉक मनकापुर क्षेत्र में कई न्याय पंचायतों में आलम यह है कि बरसात ना होने के कारण किसान लोगों के धान सूखने लगे हैं क्योंकि लगभग 1 सप्ताह से बारिश नहीं हो रही है जिससे किसान भाइयों का धान बुरी तरह सूखने स्थिति में हो गया है। बताते चलें कि किसान भाइयों का बजाज गन्ना मिल में गन्ना बेचने के दौरान लगभग 80: किसान भाइयों का बजाज गन्ना मिल कुंदरकी गोंडा में अभी भी पेमेंट बाकी है यदि समय से भुगतान किसान भाइयों को मिल जाता तो वह लोग डीजल खरीद करके अपने धान की सिंचाई कर सकते हैं क्योंकि किसान के आय का और कोई साधन नहीं है और किसान भाइयों के साथ प्रकृति भी नहीं साथ दे रही है जैसा कि लगभग 1 सप्ताह से मौसम की बारिश ना होने से किसान भाई लोग बहुत है परेशान । न्याय पंचायत विद्यानगर, न्याय पंचायत वीरेपुर के किसान भाइयों ने प्रधान लोगों से और जिला पंचायत सदस्यों से इस विषय में वार्ता किया कि मौसम की बारिश एकाएक ठप हो जाने से धान की सिंचाई कैसे करें यदि इन भाइयों के सहयोग से किसान लोगों का बजाज गन्ना मिल से पेमेंट मिल जाता तो यह

लोग अपने धान की सिंचाई कर सकते हैं। इस प्रकार से किसान कई यह बताओ की मार झेल रहा है एक तो किसान के गन्ना का पैसा सही समय से प्राप्त होता है तो उस पैसे से लोग अपने खेतों की सिंचाई, खेतों की बुवाई एवं अन्य कार्य पूर्ण करते हैं। अब इस समय किस्मत भी किसान भाइयों को धोखा दे रही है क्योंकि बारिश ना होने से कहीं–कहीं ऊंचाई खेतो के धान सूखने लगे हैं । इस प्रकार से किसान करे तो क्या करें उसके आय का कोई साधन ना होने से वह बहुत ही परेशान। डीजल के मूल्य का तो क्या कहना वह महीने में लगभग 10 बार कीमत बढ़ता है एक तो कोविड–19 की मार किसान भाई झेल रहे हैं फिर भी इनके पास आय का साधन बहुत ही सीमित हो गया है। इसलिए यह लोग अपने क्षेत्र के अपने जिले के सांसद और माननीय समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री जी से किसान भाई लोगों के द्वारा अनुरोध है कि वह इस तरह से डीजल की बढ़ती महंगाई के लिए मंत्री परिषद में चर्चा करें क्योंकि आने वाला चुनाव इन्हीं महंगाई यों को मद्देनजर लड़ना होगा। वर्तमान में किसान भाइयों की इस समस्या के बारे में की मौसम की बारिश ना होने से किसान लोग के धन सूख रहे हैं ग्राम प्रधान हरना टायर अमरनाथ तिवारी , ग्राम प्रधान गुनौरा केके वर्मा ग्राम प्रधान डॉ राज वर्मा आदि लोगों ने डीजल की महंगाई को लेकर के सरकार से दरख्वास्त की है कि कुछ सुधार किया जाए बताते चलें कि लगभग 1 सप्ताह से बारिश ना होने से किसान भाइयों के खेतों में लगे धान की फसल सूख रहे हैं धान की सूखी फसल को देखने के लिए किसान है मजबूर क्योंकि उनके पास अब नहीं पैसा है कि इतने महंगे डीजल को खरीद करके अपने धान की खेत की सिंचाई कर सकें । सरकार को इसके लिए कुछ निर्णय लेना चाहिए।

सम्पादकीय

उम्मीद से बेहतर जीडीपी

31 अगस्त को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ने 20.1 फीसदी की विकास दर बताई है। देश के इतिहास में पहली बार विकास दर में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2020–21 की समान तिमाही में जीडीपी में 25.4 फीसदी की गिरावट आई थी। गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 49.6 फीसदी उछाल आई है। निर्माण गतिविधियों में 68.3 फीसदी की शानदार वृद्धि हुई है। व्यापार, होटल, परिवहन क्षेत्र में 34.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं में पहली तिमाही के दौरान 3.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। कृषि और संबंधित गतिविधियों में पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। निश्चित रूप से जीडीपी के आंकड़े अर्थव्यवस्था में तेज सुधार के संकेत देते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही ही वह अवधि थी जब देश में कोविड–19 महामारी की दूसरी घातक लहर आई और आर्थिक व कारोबारी गतिविधियां ढह गई थीं। लेकिन इस बार देशव्यापी लॉकडाउन नहीं लगा। प्रादेशिक स्तर पर लॉकडाउन जैसे कदम उठाए गए।

साथ ही कई अहम आपूर्ति श्रृंखलाएं लगातार कार्यरत रहीं। ऐसे में भारत ग्रुप–20 देशों में सबसे तेजी से विकास दर बढ़ाने वाला देश बन गया है। भारत की विकास दर अगले साल तक महामारी के पूर्व स्तर पर पहुंच सकती है। चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में जीडीपी को बढ़ाने में तेजी से बढ़ते राजस्व, तेजी से बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, मजबूत कृषि विकास दर, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, रिकॉर्ड कृषि निर्यात, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे विदेशी मुद्रा भंडार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रिकॉर्ड प्रवाह, तेजी से बढ़ते हुए हुए शेयर बाजार आदि की अहम भूमिका है। जीडीपी के चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार कोविड–19 की चुनौतियों के बीच आर्थिक अनुकूलताओं से अर्थव्यवस्था में सुधार आने लगा है। अप्रैल से जून 2021 की तिमाही के घटकों से भी आशावाद की किरणें नजर आती हैं। अगस्त 2021 में जीएसटी संग्रह 1.12 लाख करोड़ रुपए रहा है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न मूल क्षेत्र मसलन बिजली और विनिर्माण आदि में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री और स्टील की खपत से भी प्रगति दिखाई है। निश्चित रूप से देश में कृषि क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाए जाने के लाभ मिले हैं। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र की वशद्धि दर लगातार बढ़ी है।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक कोरोना की आपदा के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2021–22 के पहले तीन महीनों में कृषि क्षेत्र का प्रस्तुतीकरण प्रभावपूर्ण रहा है। इससे जीडीपी वशद्धि को सहारा मिला है। देश में बढ़ते हुए विदेशी निवेश के प्रवाह से भी पहली तिमाही की विकास दर बढने में मदद मिली है। यद्यपि अप्रैल से जून 2021 की तिमाही में दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में बड़ी गिरावट थी, इसके बावजूद विदेशी निवेशकों के द्वारा भारत को एफडीआइ के लिए प्राथमिकता दी गई । साथ ही भारत का विदेशी मुद्रा कोष बढ़ता गया। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक विगत 20 अगस्त को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 616.89 अरब डॉलर की ऐतिहासिक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि शेयर बाजार का भी जीडीपी को बढ़ाने में अहम योगदान है। वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में शेयर बाजार तेजी से बढ़ा है। दुनिया के कई देशों की तुलना में भारत का शेयर बाजार छलांगे लगाकर आगे बढ़ा है। बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स 2 सितंबर को 57825 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ है। शेयर बाजार में आईपीओ लेने की होड़ मची हुई है। शेयर बाजार में छोटे निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। देश में डीमैट खातों की संख्या 6.5 करोड़ से ज्यादा हो गई है।

यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में जीडीपी में रिकॉर्ड वशद्धि हुई है। लेकिन अभी चालू वित्त वर्ष की आगामी तिमाहियों में जीडीपी के समक्ष कई चुनौतियां दिखाई दे रही हैं। अभी कोविड–19 की तीसरी लहर की आशंका के बीच आर्थिक और औद्योगिक चुनौतियां बनी हुई हैं। ऐसे में चालू वित्त वर्ष में विकास दर को बढ़ाने के और अधिक रणनीतिक प्रयास जरूरी हैं। देश में आशा के अनुरूप मानसून की बारिश नहीं होने के कारण अब खरीफ की फसलों पर अधिक ध्यान देने से कृषि जीडीपी की बढ़त जारी रह सकेगी। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि इस समय कोरोना टीकाकरण लक्ष्य के अनुरूप ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। निजी खपत और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देने के लिए महंगाई में कमी करना जरूरी है। पेट्रोल–डीजल पर टैक्स घटाने पर विचार करना होगा। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जरूरी है कि इसके विशाल उपभोक्ता बाजार में बुनियादी जरूरतों के लिए अधिक खर्च करने की स्थिति निर्मित की जाए। सरकार के द्वारा नई मांग के निर्माण हेतु लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा जाना होगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी दर में अच्छी वशद्धि के बाद अब चालू वित्त वर्ष की अगली तिमाहियों में लगातार जीडीपी बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था में प्रभावी निवेश बढ़ाने की जरूरत पर ध्यान दिया जाए। देश में सामान्य तौर पर बुनियादी ढांचा क्षमता का इस्तेमाल कम हो रहा है।

देरी से चल रही परियोजनाओं के कारण लागत बढ़ती जा रही है। ऐसे में उन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान दिया जाना होगा, जो अदालतों या फिर हरित पंचाट के निर्णयों के कारण पिछड़ गई हैं। अर्थव्यवस्था निवेश के स्तर के अनुपात को बढ़ाने की जरूरत है। पूंजी–उत्पादन अनुपात बढ़ाने के लिए जरूरी पूंजी की आवश्यकता पूरी की जानी होगी। इस समय जब कोविड–19 से अर्थव्यवस्था से उबरने में लगी है, तब सरकार के द्वारा पूंजीगत व्यय बढ़ाए जाने होंगे। अप्रैल से अगस्त 2021 के आर्थिक आंकड़े बता रहे हैं कि राजस्व संग्रह बढ़ रहा है, लेकिन पूंजीगत व्यय बढ़ाने की जरूरत है। ऐसे में यह उचित होगा कि सरकार बजट में उल्लिखित राशि से अधिक निवेश करे। ऐसे में उच्च पूंजीगत व्यय से मांग में बढ़ोतरी होगी और निजी क्षेत्र को भी निवेश के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। ऐसे में लगातार उच्च निवेश के जरिए उच्च स्थायी वशद्धि हासिल करने की नई संभावनाएं बढ़ेंगी। हम उम्मीद करें कि चालू वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में जो ऐतिहासिक वशद्धि दर मिली है, उसे आगे भी बढ़ाए रखने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। सरकार के द्वारा चालू वित्त वर्ष के बजट के अलावा अधिक पूंजीगत व्यय के साथ निजी निवेश को प्रोत्साहन दिए जाएंगे। निश्चित रूप से ऐसे प्रयासों से चालू वित्तीय वर्ष 2021–22 के अंत में विकास दर वैश्विक अनुमानों के मुताबिक 9 से 10 फीसदी के स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगी।

खूनी चीखों के मध्य गूंजते राजनैतिक ठहाके

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश में राष्ट्रभक्त नागरिकों की निरंतर कमी होती जा रही हैं। व्यक्तिगत स्वार्थों की पूर्ति के आगे सामाजिक हित बौने हो चुके हैं। सुरक्षात्मक मुद्दों से लेकर राष्ट्रीय विकास जैसे कारक हाशिये पर पहुंच चुके है। संविधान की धाराओं का मनमाना विश्लेषण नित नये विरोधाभाषों खडे कर रहा है। अफगानस्तान के मौजूदा हालातों को अनदेखा करने वाले लोग राजनैतिक लिबास पहिन कर अपने आकाओं के षडयंत्रकारी ऐजेन्डे को पूरा करने में जुटे हैं। आज देश को सुरक्षा की गारंटी चाहिए, समानता की गारंटी चाहिए और चाहिए विकास की गारंटी। किन्तु ऐसे माहौल में भी राजनैतिक दल वोटबैंक के इजाफे की तरफ ही दौड रहे हैं। आम आवाम को लुभाने के लिए विशेषज्ञों की सेवायें ली जा रहीं हैं। वोट बटोरने की तकनीक इजाद करने का दावा किया जा रहा है और इजाद करने वालों ने स्वयं को स्वयंभू जीत दिलाने वाला ठेकेदार भी घोषित कर दिया है। संयोग से कुछ ठेकेदारों की नीतियां काम आ गईं और सेवायें लेने वालों की जीत हो गई। तब से वोट कंसल्टेन्सी का फैशन चल निकला है। वर्तमान में कहीं किसानों को राजनीति में धकेल कर कुछ सफेदपोश अपने मंसूबे पूरे करने में जुटे हैं तो कहीं छात्रों को हथियार बनाया जा रहा है। जातिगत मुद्दों, क्षेत्रगत भावनाओं, वर्गवादी हितों जैसे अनेक कारकों को हवा मिलने से राष्ट्रीय एकता खोखली होती जा रही है। पडोसी पर आने वाली विपत्ति को गैर की समस्या समझने वालों की संख्या बढने से मानवतावादी विचारधारा तार–तार होती जा रही है। महानगरों में पनपती मशीनी संस्कृति अब गांव–गांव, गली–गली फैलना चुकी है। देश की दशा और दिशा पर चिन्तन की श्रंखला भी महानगरों के वातनुकूलित कमरों में आयोजित की जाती है। जागरूकता लाने के नाम पर किसी नामची के एनजीओ को बडा बजट आवंटित करके कागजी आंकडों पर स्वयं की पीठ थपथपा लेने की परम्परा पुरानी है। अधिकांश स्थानों पर कागजी विकास और धरातली प्रगति में जमीन–आसमान का स्पष्ट अंतर देखने को मिलता है। ऐसे अनगिनत उदाहरण अपनी वास्तविकता को चीख–चीख कर बताते हैं परन्तु उनको सुनने वाला कौन है। सरकार और विपक्ष के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का जमाना इतिहास बन चुका है। वह एक दौर था जब विपक्ष में बैठने वाली पार्टियों के सुझावों को सरकारें स्वीकार करतीं थी। तब सुझावों में राष्ट्रहित भी स्पष्ट रुप से परिलक्षित होता था। तब विपक्ष की रचनात्मक भूमिका होती थी। आज स्वार्थ की बदबू से नाक फटने लगती है। तुष्टीकरण की नीतियों से देश की एक बडी जनसंख्या को कामचोर, नकारा और आलसी बनाने का क्रम लम्बे समय से चला आ रहा है। जाति के आधार पर अन्य जातियों व्दारा जातिगत शब्दों के प्रयोग पर दण्डात्मक कानून, अयोग्य लोगों की नियुक्तियां, उन्हें क्रम से पहले पदोन्नति सहित अनेक लाभ का प्राविधान ही समाज में मानसिक व्देष का कारक बनते जा रहें। बाकी कमी को विभिन्न संघों, संगठनों, एसोसिएशन आदि ने झंडा ऊंचा करके पूरा कर दिया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म प्रदर्शन की आजादी, विशेषाधिकारों की स्थापना जैसी धाराओं की ओट में स्वतंत्रता को स्वच्छंदता में परिवर्तित हो चुकी है। चन्द लोगों को आज भी स्वयं के हितों की पूर्ति ही दिखाई दे रही है जबकि पूरा विश्व एक खास खतरे की आहट सुन रहा है। तालिबान को सहयोग देने वाले राष्ट्र यदि कल को आईएसआईएस जैसे संगठनों को भी मान्यता देने के लिए आगे आ जायें, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। तब विश्व के अनेक देश स्वयं के हितों को ही साधने में जुटेंगे। जिन देशों को आज अफगानियों की चीखें, खून से लथपथ लाशें नहीं दिख रहीं है वे ही कल अपने लिए मानवता का झंडा ऊंचा करने से नहीं चूकेंगे। ऐसे देशों से भी चार हाथ आगे बढकर हमारे देश के हालात होंगें। तब भी सरकारी प्रयासों पर प्रश्नचिन्ह लगाने वालों की एक लम्बी फेरिश्त होगी। कथित बुद्धिजीवियों की कतारें होंगी। तब भी किसान आंदोलन, छात्र आंदोलन, कर्मचारी आंदोलन, अधिकारी हित, दलगत स्वार्थ, व्यक्तिगत लाभ के लिए लोग लडते दिखेंगें। अंतर्कलह करके सरकारों को नयी समस्यायें देकर बाह्य आक्रांताओं को जयचन्द जैसा सहयोग ही देंगें। सुरक्षात्मक कदमों को उजागर करके के लिए बाध्य करेंगे। सर्जिकल स्ट्राइक के अपनों से ही सबूत मांगेंगे। सेना का मनोबल कमजोर करने की साजिश करेंगे। राष्ट्रवादी मानसिकता को तिलांजलि दे चुके ऐसे लोगों में से कुछ ने राजनैतिक जाम पहन लिया है तो कुछ ने समाजसेवी होने का ढोंग रचा लिया है। कुछ ने बुध्दिजीवी और विशेषज्ञ का स्वयंभू तमगा लगा लिया है तो कुछ ने धार्मिक ठेकेदार बनकर दलों की कठपुतली का नाच दिखाना शुरू कर दिया है। ऐसे अनेक वर्ग हैं जहां से राष्ट्रभक्ति हमेशा–हमेशा के लिए समाप्त हो चुकी है। ऐसे लोग यह समझना ही नहीं चाहते कि जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, तभी तो राजनीति हो सकेगी। और राष्ट्र तभी सुरक्षित रहेगा जब आम आवाम व्यक्तिगत स्वार्थ की बुनियाद पर षडयंत्र करने वालों को उनकी औकात दिखा देगा। आज तालिबान खुलेआम लिख रहा है क्रूरताओं की नई इबारत। अफगानियों की खून से लथपथ चीखों को विश्व की ताकतें कर रहीं है अनसुनी। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अंतराष्ट्रीय सुरक्षा परिषद जैसे संगठन मौन हैं, निष्क्रिय हैं। मानवता के विश्वभाल पर जुल्म की दास्तानें लिखीं जा रहीं हैं और हम अपने देश की सुरक्षा मजबूत करने के स्थान पर आपसी खींचतान और षडयंत्र में ही उलझे हैं। ऐसे खूनी चीखों के मध्य गूंजते राजनैतिक ठहाके कभी भी सुखद नहीं कहे जा सकते। रोम जलता रहा और नीरो बांसुरी बजाता रहा, की घटना आज पुनः देश में देखने को मिल रही है। विभिन्न संचार माध्यम तो अपने–अपने ढंग से मसाला परोस रहे हैं। पार्टियां आशीर्वाद यात्रायें और विरोध प्रदर्शन में लगीं हुई हैं। अधिकारी कागजी आंकडे बनाने हेतु अधीनस्तों पर दबाव बना रहे हैं। संगठनों का ऐजेन्डा दलगत आधारों पर तय हो रहा है। समाज सेवी संस्थायें सरकारी बजट हथियाने की चालें चल रहीं हैं। बीमारियों के दावानल ने चिकित्सा माफियों की लाटरी लगा दी है। चारों ओर मनमानियों का तांडव हो रहा है। राष्ट्र की सुरक्षा, व्यवस्था और संपन्नता की प्राथमिकतायें कहीं गौड हो गईं हैं। बाह्य आक्रान्ताओं का जुल्म सहने वाली पीढियां आज हमारे मध्य नहीं है। उन पर हुये जुल्म का इतिहास कोई पढना नहीं चाहता। उनकी पीडा को कोई महसूस करना नहीं चाहता। अगर चाहता है तो केवल वर्तमान में भौतिक सुख के साधन, सामाजिक सम्मान और अकूत सम्पत्ति। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

लंबा चलेगा अफगानिस्तान में अराजकता का दौर

अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्सों पर भले तालिबानी लड़ाकों ने कब्जा जमा लिया हो और सत्ता पर काबिज भी हो जाए पर सरकार चलाना तो दूर की बात सरकार बनाना ही अभी टेढ़ी खीर साबित हो रही है। अमेरिका ने तय समय सीमा यानी 31 अगस्त को काबुल से अपने सैनिकों को हटा लिया है पर तालिबानियों के सामने सरकार बनाने और उसे चलाने की चुनौतियां बेशुमार हैं। इसका प्रमुख कारण अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते सत्ता संघर्ष तो है ही अन्य भी बहुत से कारण हैं जो तालिबानियों के सामने नित नई समस्याएं पैदा करेंगे। अमेरिका के जाने के पांच दिन बाद भी सरकार गठन को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। बल्कि समाचार तो आ रहे हैं कि सत्ता संघर्ष आपसी गुटों के नेताओं के बीच गोलीबारी तक पहुंच गया है।

मजे की बात यह कि गुटों के बीच आपसी सहमति बनाने के लिए पाकिस्तान अपना प्रतिनिधि भेज रहा है। इसके कई कारण हैं। एक तो यह कि पाकिस्तान अपनी चौधराहट चाहता है तो दूसरी और अधिकांश तालिबानी ईरान मॉडल पर सरकार गठित करना चाहते हैं। तीसरा यह कि सरकार गठन से जुड़े अलग–अलग गुटों में महत्वाकांक्षाओं के चलते सामंजस्य नहीं बैठ पा रहा तो चीन और रूस ऐन केन प्रकारेण यह चाहते हैं कि नई सरकार उनकी कठपुतली बनकर रह जाए। उधर पंजशीर तालिबानियों के लिए हमेशा ही चुनौती भरा रहा है।

देखा जाए तो अफगानिस्तान अराजकता के दौर से गुजर रहा है। अमेरिकी सेना 20 साल तक अफगानिस्तान में काबिज रहने और जनधन की हानि के बावजूद कुछ हासिल नहीं कर पाई है। 20 साल बाद आज अफगानिस्तान पर तालिबान लड़ाकों ने कब्जा जमा लिया है और दुनिया के देशों के सामने नई समस्या यह भी आ रही है कि अमेरिकी सेना वहां अत्याधुनिक सैन्य सामग्री छोड़कर गई है जिसका उपयोग तालिबानी आंतक का राज जमाने के लिए करेंगे ही। सूत्र यह भी कहते हैं कि अमेरिकी सेना ने जाते–जाते सैन्य सामग्री को इस्तेमाल योग्य नहीं छोड़ा है पर इसपर अभी विश्वास करना जल्दीबाजी होगा। अफगानिस्तान के जो ताजा समाचार मिल रहे हैं वे सत्ता संघर्ष की ओर साफ इशारे कर रहे हैं। सत्ता के शीर्ष पर काबिज होने के लिए तालिबान के सहसंस्थापक और 20 साल पहले रहे अब्दुल गनी बरादर और हक्कानी ग्रुप के बीच गोलीबारी के समाचार हैं। हांलाकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है पर यह साफ है कि पाकिस्तान ने अपने प्रतिनिधि ले. जनरल फैज हमीद को अफगानिस्तान भेजा है। लगता है अभी समझौता होने में समय लगेगा जबकि पहले यह माना जा रहा था कि अमेरिका के अफगानिस्तान से पलायन के साथ ही तालिबानी सरकार बन जाएगी। पर यदि अभी समझौता हो भी जाए तो इसे सत्ता संघर्ष का अंत नहीं माना जा सकता है।

उधर अफगानिस्तान के ताजा हालात पर नजर रखने वालों की मानें तो ईरान की तर्ज पर सरकार बनाने की अधिक संभावनाएं मानी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि तालिबानी प्रमुख हेबतुल्लाह अखुंदजादा सर्वोच्च नेता होंगे। माना यह जा रहा है कि सभी शीर्ष नेताओं का जमावड़ा काबुल में हो गया है। ईरान में सर्वोच्च नेता ही सर्वेसर्वा होता है। इसके बाद राष्ट्र्पति और गार्जिअन काउंसिल और विशेषज्ञों की समिति व संसद भी होगी। न्यायपालिका प्रमुख की भी प्रमुख भूमिका होती है। देर सबेर यह सब तो हो जाना है पर जिसके भी सिर पर ताज होगा वह कांटों भरा ही होगा। सत्ता संघर्ष, अंदरूनी खींचतान और आतंकवादी गतिविधियों के साथ ही पंजशीर और भुखमरी की समस्या सबसे अधिक गंभीर है। जानकारों की मानें तो अफगानिस्तान में भुखमरी के हालात अधिक दूर नहीं है। खाद्य सामग्री कुछ ही दिनों की बची है तो आनेवाले दिनों में लूट–खसोट आम हो जाएगी। सूत्रों का मानना है कि चार करोड़ की आबादी के लिए एक माह का राशन ही उपलब्ध है। पाकिस्तान, चीन, रूस कितनी ही नजदीकियां दिखाएं पर सबके अपने हित टकरा रहे हैं। इनमें से कोई नहीं चाहेगा कि अफगानिस्तान के हालात सामान्य रहे। चीन अपने वन बेल्ट के एजेंडा को पूरा करना चाहता है तो रूस अफगानिस्तान पर अपनी दखल बनाए रखना चाहता है। पाकिस्तान तालिबानी लड़ाकों के सहयोग से कश्मीर में अराजकता फैलाने के प्रयास में है। इसके साथ ही आईएसआई अपने हितों के अनुसार सरकार बनवाना चाहती है। अब तालिबानी इन सबके मकसद को समझने की भूल कर रहे हैं तो दूसरी ओर अभी उनका मकसद सत्ता हथियाना ही है। अफगानिस्तान से पलायन का दौर जारी है और महिलाओं को लेकर कट्टरता के कारण भी समस्या बनी ही रहेगी। ऐसे में अफगानिस्तान में शांति का माहौल बनना अभी टेड़ी खीर है। इस सबके बावजूद मजे की बात यह है कि तालिबानियों के लिए यदि कोई सहारा बन सकता है तो वह हिन्दुस्तान ही होगा। इसका कारण साफ है। मानवीयता के चलते हिन्दुस्तान सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहता है। पाकिस्तान के खुद के खाने के लाले पड़े हुए हैं तो चीन पूरी तरह से व्यावसायिक हितों को लेकर चलने वाला देश है। वह वन बेल्ट वन रोड के आधार पर अपना हस्तक्षेप बढ़ाना चाहता है। पाकिस्तान भी भूल कर रहा है। भले ही आज वह तालिबानियों के सहयोग से कश्मीर में हालात तनावपूर्ण करने के सपने देख रहा हो पर उसे हासिल कुछ होने वाला नहीं है। ऐसे में साफ हो जाता है कि अफगानिस्तान में हालात अच्छे होना फिलहाल दूर है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तालिबान में दो फाड़

सिद्धार्थ शंकर

तालिबान सरकार के गठन की तारीख एक बार फिर एक हफ्ते आगे बढ़ गई है। पहली बार नहीं है जब अफगान सरकार के राज्याभिषेक का मुहूर्त टला हो। 15 अगस्त के बाद से ही कई बार सरकार बनाने में हो रही देरी पर तालिबान सफाई भी दे चुका है। सबसे पहले अफगानिस्तान से अमेरिका के फुल एंड फाइनल जाने का राग अलापा। अब जब जुमे की नमाज के बाद सरकार के गठन का लोग इंतजार कर रहे थे तो खबर आई कि सरकार का गठन टाल दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर क्यों? तालिबान सरकार बनने में इतनी देरी हो रही है? क्या संगठन में अभी भी दो फाड़ है। क्या तालिबान–हक्कानी नेटवर्क के गठबंधन में ताल मेल नहीं बैठ पा रहा? ऐसे ढेरों सवाल हैं। सरकार अफगानिस्तान में बननी है और सरकार तालिबान को बनाना है। सरकार में हक्कानी नेटवर्क को अहम भागीदारी चाहिए। पाकिस्तान तालिबान के हर कदम पर साथ दे रहा है। इन सबके बीच कश्मीर की क्या भागीदारी है ये अहम होता जा रहा है।

अफगानिस्तान में सरकार अगर चलाना है तो भारत को दरकिनार नहीं किया जा सकता। सरकार चलाने के लिए भारत की मदद जरूरी है। इसी वजह से तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने पहले भारत के कश्मीर मामले को उसका निजी मामला बताया। शाहीन ने पहले साफ कहा था कि वो कश्मीर के मुद्दे पर कुछ नहीं बोलेगा, लेकिन माना जा रहा है कि पाकिस्तान के दबाव के बाद सुहैल शाहीन ने यूटर्न लेते हुए कश्मीर में रह रहे मुसलमानों के लिए हक उठाने को अपना फर्ज तक बता दिया। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन का कश्मीर राग अभी शांत भी नहीं हुआ था कि पाकिस्तान समर्थित हक्कानी नेटवर्क की ओर से कश्मीर को लेकर नया बयान आ गया। नेटवर्क के प्रमुख सिराजुद्दीन हक्कानी के भाई अनस हक्कानी ने कहा है कि हक्कानी नेटवर्क भारत के कश्मीर पर कोई दखल नहीं देगा। अनस हक्कानी ने कहा है कि भारत उसके दुश्मनों को 20 सालों से मदद करता आ रहा है, लेकिन वो सब कुछ भूलकर भारत के साथ रिश्तों को आगे बढना चाहते हैं।

कश्मीर पर अनस ने कहा कि भारत के कश्मीर पर किसी भी तरह की दखलंदाजी हक्कानी नेटवर्क के पॉलिसी के खिलाफ है। अब ऐसे में यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के बीच सरकार बनाने और उसके एजेंडों को लेकर तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। तालिबान और हक्कानी नेटवर्क की भारत को लेकर पॉलिसी में भी मतभेद है। अब समझिए आखिर तालिबान सरकार में हक्कानी नेटवर्क की अहमियत क्या है? भारत के लिए हक्कानी नेटवर्क कितना घातक है। दरअसल हक्कानी नेटवर्क पर पाकिस्तान का हाथ है। पाकिस्तान अभी तालिबान के लिए सबसे बड़ा मददगार बना हुआ है। पाकिस्तान तालिबान सरकार में हक्कानी नेटवर्क को बड़ा रोल दिलाकर भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए अभी से जानकार का मानना है कि तालिबान राज में भारत–अफगान रिश्तों में एक बड़ी बाधा हक्कानी नेटवर्क बन सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ न तालिबान जा सकता है और न ही हक्कानी नेटवर्क। इसलिए ये भी माना जा रहा है कि कश्मीर मुद्दे पर बहुत जल्द तालिबान की तरह हक्कानी नेटवर्क भी अपने बयान से पलट जाएगा। हक्कानी नेटवर्क को पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तालिबान सरकार में सिराजुद्दीन हक्कानी को अहम रोल दिलाने के लिए लॉबिंग भी कर रही है। इसी सिलसिले में तालिबान सरकार के गठन से पहले आईएसआई चीफ जनरल फैज हमीद काबुल पहुंचे हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि सिराजुद्दीन हक्कानी 6 साल से तालिबान का डिप्टी लीडर है। पूर्वी अफगानिस्तान में हक्कानी नेटवर्क का प्रभाव सबसे ज्यादा है। अफगानिस्तान में प्रभावी इस संगठन का बेस पाक की उत्तर–पश्चिम सीमा में है। पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में हक्कानी नेटवर्क के समानांतर सरकार चलती है। पिछले कुछ सालों में इस संगठन की गतिविधियां काफी बढ़ी हैं। तालिबान लीडरशिप में भी हक्कानी नेटवर्क की उपस्थिति बढ़ी है।

रहस्यमयी बुखार का बढ़ता खौफ

योगेश कुमार गोयल

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच उत्तर प्रदेश में विकराल रूप धारण करता रहस्यमयी बुखार नई चुनौती बनकर उभर रहा है। कुछ डॉक्टर इस रहस्यमयी बुखार को 'इंफ्लुएंजा' वायरस मान रहे हैं तो कुछ डेंगू और कुछ अन्य डॉक्टर इसे इंफ्लुएंजा वायरस के स्वरूप में बदलाव की आशंका के तौर पर भी देख रहे हैं लेकिन अभी तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने में विफल रहे हैं। दरअसल इस रहस्यमयी बुखार में मरीजों में कई बीमारियों के लक्षण एक साथ नजर आ रहे हैं और बुखार के कारण सबसे ज्यादा मौतें बच्चों की हो रही हैं। लगभग सभी मामलों में तेज बुखार के साथ तेजी से प्लेटलेट्स गिरने, नजला–खांसी, जोड़ों में दर्द, डिहाइड्रेशन जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। शुरुआत में इस अनजान बुखार का प्रकोप तीन जिलों में ही देखा गया था लेकिन अब यह फिरोजाबाद, मथुरा, कासगंज, लखनऊ, आगरा, एटा, मैनपुरी, नोएडा, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर इत्यादि प्रदेश के 20 से अधिक जिलों तक फैल चुका है और प्रत्येक जिले में प्रतिदिन औसतन पांच सौ नए मरीज मिल रहे हैं, जिनमें बच्चों की संख्या सर्वाधिक है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अभी तक विभिन्न जिलों में 150 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें करीब 50 फीसदी बच्चे हैं। सबसे बुरी हालत फिरोजाबाद जिले की है, जहां अब तक 80 से भी ज्यादा लोगों की मश्त्यु हो चुकी है। इस जिले में पिछले कुछ ही दिनों में 60 से भी ज्यादा बच्चों की मौत रहस्यमयी बुखार से हुई है। इसके अलावा सीतापुर में 50, मथुरा में 21 तथा मैनपुरी में भी 13 से ज्यादा लोगों की मौत होने की पुष्टि की जा चुकी है। कई अन्य जिलों में भी इस बुखार के कारण मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। फिरोजाबाद और आसपास के इलाकों में तो डेंगू, वायरल बुखार, स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस के मरीज भी मिले हैं। बच्चों की हो रही मौतों से प्रभावित इलाकों में इस कदर खौफ व्याप्त है कि कुछ लोग भय के कारण गांव छोड़कर जा रहे हैं। प्रदेश के कुछ गांवों में रहस्यमयी बुखार का खौफ इतना ज्यादा है कि गांव के अधिकांश परिवार अपने बच्चों को लेकर पलायन कर चुके हैं।

रहस्यमयी बुखार को लेकर स्थिति इतनी खराब है कि अधिकांश जगहों पर अस्पतालों में जांच के लिए लंबी–लंबी कतारें लगी हैं, लगभग सभी अस्पतालों में बैड फुल हैं और एक–एक बैड पर दो से चार बच्चों का एक साथ इलाज हो रहा है लेकिन डॉक्टरों के प्रयासों के बाद भी ऐसे कई बच्चों को बचाने में सफलता नहीं मिल पा रही है। इस बुखार के आने के बाद पहले मरीज को ठंड लगती है और फिर तेजी से बुखार बढ़ता है। दवा खाने से एकबार बुखार उतर जाता है लेकिन फिर तेजी से बुखार आता है और मरीज की स्थिति बिगड़ जाती है। बच्चों की बात करें तो इस बीमारी में पहले बच्चों के पेट में दर्द होता है, फिर बुखार आता है और प्लेटलेट्स अचानक तेजी से गिरता है। उसके बाद दो से तीन दिनों में ही ऐसे कुछ बच्चे मौत के मुंह में समा जाते हैं। कई डॉक्टर इस अनजान बुखार से हो रही मौतों का बड़ा कारण इलाज में देरी होना मानते हैं। डेंगू के साथ स्क्रब टायफस होने के कारण कई मरीजों के किडनी, लीवर सहित अन्य अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, इस कारण भी उनकी मौत हुई। अभीतक डेंगू के वायरस के कुल चार वैरिएंट (डेन 1, 2, 3, 4) सामने आए हैं लेकिन पेट में दर्द के साथ बुखार आने के दो–तीन दिनों के भीतर ही बच्चों की मौत होने से स्वास्थ्य विशेषज्ञों को इस बात की चिंता भी सता रही है कि कहीं यह डेंगू का कोई नया वैरिएंट डेन 5 तो नहीं फैल रहा है।

फिरोजाबाद जिले में 50 से ज्यादा बच्चों की मौत होने के बाद मचे हड़कंप के पश्चात् केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्थिति का जायजा लेने के लिए एक टीम वहां भेजी गई थी। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीसीडीपी) के 5 विशेषज्ञों के इस दल द्वारा फिरोजाबाद तथा आसपास से करीब 200 सैंपल लिए गए, जिनमें 100 से ज्यादा नमूनों में डेंगू की पुष्टि हुई जबकि कई नमूनों में स्क्रब टाइफस के मामले भी मिले। स्क्रब टाइफस नामक बीमारी बैक्टीरिया से होती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार प्रायः झाडियों में पाए जाने वाले मकड़ी जैसे छोटे जीव माइट अथवा छग्गर के काटने से भी स्क्रब टाइफस होता है। बहरहाल, विशेषज्ञ दल का कहना है कि जब तक एकत्रित किए गए नमूनों की पूरी जांच नहीं हो जाती, तब तक इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। विशेषज्ञों के मुताबिक एकत्रित नमूनों की गहन जांच के बाद जो भी नतीजे सामने आएंगे, उसके बाद ही कहा जा सकेगा कि बुखार से बच्चों की इतनी बड़ी संख्या में मौत का वास्तविक कारण क्या है।

रहस्यमयी बुखार के विकराल रूप धारण करने और कई बच्चों सहित अनेक लोगों की मौत हो जाने के मामले में प्रशासन और स्वास्थ्य महकमा भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। दरअसल जब शुरुआती दौर में यह बीमारी सिर उठाने लगी थी और डेंगू के मामले भी लगातार सामने आने लगे थे, तब भी ऐसे मामलों को दबाकर उन्हें करीब एक पखवाड़े तक महज वायरल बुखार ही बताया जाता रहा। यही नहीं, बीमारी का प्रकोप बढ़ते जाने के बाद भी कीटनाशकों के छिड़काव और साफ–सफाई की ओर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की चरमराई हालत का नजारा साफतौर पर देखा गया था और अब रहस्यमयी बुखार के मामले में भी जिस प्रकार का लापरवाहीपूर्ण रवैया देखा जाता रहा है, वह आम आदमी को झकझोर देने के लिए पर्याप्त है।

हालांकि अब प्रदेश सरकार द्वारा भी पीड़ित बच्चों के इलाज और बीमारी के कारणों का पता लगाने के लिए 11 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बनाई गई है लेकिन इस मौसम में मच्छरों से पनपने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए की जाने वाली फॉगिंग या साफ–सफाई के मामले में संबंधित विभागों द्वारा जिस प्रकार की लापरवाही बरती जा रही है, उन पर सख्ती करने की भी जरूरत है। खासकर मासूम बच्चों पर रहस्यमयी बुखार के जानलेवा प्रहार का खौफ लोगों में जिस कदर बढ़ता जा रहा है, ऐसे में इस समय सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि इस बात के पुख्ता प्रबंध किए जाएं कि अस्पतालों में ऐसे लोगों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मृतक के परिवार को संतुना देने पहुँचे डॉक्टर इंद्रेश्वर वर्मा

क्षेत्र पंचायत सदस्य तेज नारायण की दुर्घटना में हुई मौत

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। कोतवाली निघासन क्षेत्र के चौकी झण्डी की ग्राम पंचायत बरोठा के मंझरे बस्तीपुरवा के नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य तेज नारायण पुत्र कढीले कि सड़क दुर्घटना से मौत हो गई थी जिसकी सूचना मिलते ही उनके घर पहुंचे 138 विधानसभा के विधायक पटेल शशांक वर्मा के बड़े भैया डॉक्टर इंद्रेश्वर वर्मा ने पहुंचकर परिवार वालों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया और वहीं बरोठा ग्राम रोजगार सेवक अमर प्रकाश ने भी उनके परिवार की जिम्मेदारी लेते हुए कहाँ की मुझे से जो हो सकेगा मैं इस परिवार की हर सम्भव मदद करूंगा।वो मेरे परिवार का एक सदस्य जैसे थे और मैं उस सदस्य को तो वापस नही ला सकता पर आप लोगों को जब भी मेरी जरूरत पड़ेगी मैं आप लोगो की हर सम्भव मदद करूंगा। हर वक्त आप के साथ खड़ा रहूँगा। इस दौरान मौजूद रहे भेड़ोरी के पूर्व प्रधान घुरु वर्मा सहित काफी लोग सांत्वना वक्त की।

पत्नी ने योजना बनाकर प्रेमी से कराई थी पति की हत्या

पुलिस टीम ने हत्या में शामिल मृतक की सहित तीन को किया गिरफ्तार

एसपी रवि कुमार ने किया घटना का खुलासा

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। थाना सिरसा कलार थाना क्षेत्र के पाल सरैनी जंगल में युमना नदी के किनारे गत दिवस एक व्यक्ति का क्षत विक्षित शव मिला था जिसकी पहचान

उमाशंकर निवासी चंदुरर्रा थाना कोंच के रूप में हुई थी। मृतक के भतीजे की तहरीर पर थाना सिरसा कलार में 4 सितंबर को धारा 302 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आज रविवार को पुलिस अधीक्षक जालौन रवि कुमार ने हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि दो दिन पूर्व मृतक का शव क्षत विक्षत रूप में पाया गया था। मौके पर एएसपी राकेश कुमार सिंह सहित सर्विलान्स, एसओजी, व सिरसा कलार पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित जांच में जुट गई 48 घंटे के अंदर ही पुलिस ने हत्यारों को गिरफ्तार करने सफलता प्राप्त की सबसे प्रमुख बात यह कि मृतक उमाशंकर की पत्नी पूजा ने ही अपने प्रेमी अभिषेक वाल्मीक व एक अन्य शेर सिंह के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी। पूंछताछ में अभियुक्त अभिषेक वाल्मीक ने बताया कि मृतक उमाशंकर जो मेरे पड़ोस में रहता था में उसका अच्छा दोस्त था इसलिए मेरा उसके घर आना जाना था। इसी बीच मेरे व उसकी पत्नी पूजा के साथ अवैध संबंध हो गए थे जब इसकी जानकारी मृतक को हुई तभी से वह शराब पीकर अपनी पत्नी के साथ मारपीट और लड़ाई झगड़े से परेशान होकर मैं व मृतक की पत्नी पूजा ने मिलकर हत्या करने की योजना बनाई जिसको 1 सितंबर 2021 को योजनाबद्ध तरीके से ग्राम सरैनी के जंगल में मैंने व शेर सिंह ने मिलकर उमाशंकर की हत्या कर दी। एसपी जालौन रवि कुमार ने बताया है कि पत्नी पूजा सहित तीनों लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जा रहा है और गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को प्रस्सति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

गांव से लेकर शहर तक जगह जगह ठहरा जलभराव मानव डेंगू को दे रहे दावत

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा, जिले के विभिन्न स्थानों पर महीने भर से जलभराव का मुख्य कारण नहर हो गए हैं पहले जब नाली निकासी होकर किसी नदी नाले में जाकर पानी गिरता था लेकिन बीच में नहर बन जाने के कारण जल निकासी लगभग बंद हो गया है जल निकास बंद होने से जलभराव की समस्या हो गई है कोरोना के चलते डेंगू तेजी से फैल रहा है क्योंकि पानी इकट्ठा होने के कारण डेंगू के लारवा का खतरा पैदा हो गया है जबकि शासन पूरी तरह से साफ सफाई के लिए जिले , तहसीलों के अधिकारियों को निर्देशित करता रहा है कि अपने पास पड़ोस में गंदगी ना रखें क्योंकि साफ सफाई ना होने से गंदगी होने से डेंगू को बढ़ावा मिलता है। क्योंकि जगह–जगह पानी इकट्ठा होने के कारण डेंगू के लारवा का खतरा पैदा हो गया है जबकि शासन पूरी तरह साफ सफाई के लिए जिले में तहसील के अधिकारियों द्वारा लोगों को निर्देशित करती रही है।

राजभाषा पखवाड़ा 2021 के अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल में सामान्य ज्ञान एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। एनटीपीसी विंध्याचल मानव संसाधन राजभाषा अनुभाग द्वारा इस वैश्विक महामारी के समय में भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए राजभाषा के प्रचार–प्रसार के लिए दिनांक 01 सितंबर से 15 सितंबर, 2021 के मध्य राजभाषा पखवाड़ा–2021 के अवसर पर कर्मचारियों (महिला–पुरुष) वर्ग, गृहणियों, स्कूली बच्चों, नगरवासियों, सहयोगी संस्थाओं एवं संविदा कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से किया जा रहा है। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान दिनांक 02.09. 2021 को कक्षा 05 से 08 तक के नगर परिसर के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं दिनांक 03.09.2021 को कक्षा 05 से 08 तक एवं कक्षा 09 से 12 तक के नगर परिसर के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों नें बढ़–चढ़ कर भाग लिया इसी कड़ी में दिनांक 04 सितंबर, 2021 को राजभाषा अनुभाग द्वारा परियोजना के अंतर्गत आने वाले स्कूलों के कक्षा 09 से 12 तक के स्कूली बच्चों हेतु हिन्दी साहित्यध्शब्दावलीध् व्याकरण से संबन्धित हिंदी सामान्य

ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता के दौरान नगर परिसर स्थित चारों विद्यालयों– डीपीएस, डी–पॉल, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय। विंध्यनगर के स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया आयोजित की गयी इन प्रतियोगिताओं में बड़े ही उत्साह के साथ विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की।

भारतीय किसान.मजदूर मोर्चा का 10 सूत्रीय अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू हो चुका है। संगठन की जब तक सभी मांगें पर कार्यवाही नहीं हो जाती है तब तक धरन प्रदर्शन जारी रहेगा

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। भारतीय किसान. मजदूर मोर्चा का 10 सूत्रीय अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू हो चुका है। संगठन की जब तक सभी मांगें पर कार्यवाही नहीं हो जाती है तब तक धरन प्रदर्शन जारी रहेगा। यह बात संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्षए शिव प्रकाश सिंह ने कही। संगठन के जितेन्द्र मिश्रा ने कहा कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों की घोर

लापरवाहीए अनुचित लाभ लेने की मंशा से झूॅठ बोलने व खाऊए कमाऊ नीति पर काम करने पर उतारू हैं जिससे त्रस्त होकर संगठन ने आज किसानों की समस्यों को लेकर विद्युत विभाग के खिलाफ कार्यवाही न होने तक धरना प्रदर्शन चालू रहने की चेतावनी देते हुए कहा यदि मजदूर व किसान की बात विभाग नहीं मानेगा तो यह एक नमूना हैए हम लोग भूख हड़ताल के लिए बाध्य होगें।

संगठन के सचेन्द्र दीक्षित ने कहा कि मनरेगा मजदूरी में खुलेआम भ्रष्टाचार व्याप्त है इच्छुक व्यक्तियों व मांग पत्रों पर समतियों को काम न दिया जाना जीवंत उदाहरण है। जिले में दरी हैण्डलूम एवं अन्य कारखानों से निकलने वाले विषाक्त रसायन युक्त प्रदूषित जल से कई गंभीर बीमारियों फैल रही है। जनहित में कार्यवाही करने की मांग की है।

संगठन की आवाज को बुलंद करते हुए अल्पना सिंह ने कहा कि चीनी मिलों की चिमनियों से निकलने वाली राख से आसपास का जनमानस त्रस्त है। जवाहरपुर चीनी मिल ने अवैध रूप से जमीन कब्जा किये हुए है जिसमें उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद चीनी मिलों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती है। इसलिए कार्यवाही होने तक धरना जारी रहेगा।

संगठन के अम्बुज श्रीवास्तव ने कहा कि गांवों में ग्राम समाज की जमींन पर भूमाफियों अवैध कब्जा व ईंट भट्ठे किसानों को प्रलोभन देकर आबादी के निकट खनन करते है जिससे कई गंभीर बीमारियां फैल रही है जनहित में तत्काल कार्यवाही की जाये।

संगठन के धानंजय अवस्थी ने कहा कि शिक्षा विभाग व पंचायत विभाग में भ्रष्टाचार असीम सीमा पर है शिक्षक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं और असमय काल के गाल में पहुंच रहे हैं। वहीं संगठन के सक्तिमणि त्रिपाठी ने कहा पंचायत विभाग में बिना सुविधा शुल्क दिये कोई कार्य नहीं किया जाता है। जिला पंचायत राज अधिकारी सीतापुर ने करोड़ों के स्टीमेट स्वीकृत किये हैं जिसमें 3 प्रतिशत अवैध वसूली करके अकूत सम्पत्ति हासिल की है जिसकी जांच जनहित में करवाने की मांग की है। संगठन की बात आगे बढ़ाते हुए उत्तम कुमार मौर्य ने कहा कि प्रशासन कुंभकरणी नींद में सोया हुआ है उसे मजदूर व किसानों के खिलाफ हो रहे उत्पीड़न से कोई मतलब नहीं है। अब निःसंकोच संगठन को विषम रणनीति के तहत अपनी आवाज को मनवाने के लिए लामबंद होना पड़ेगा। तभी मजदूर व किसान की आवाज मानी जायेगी। भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा कृषि विरोधी काले कानूनों के पक्ष में हम सभी पदाधिकारियों को बगैर सूचना सत्ता पक्ष में बयानबाजी की घोर निंदा करते हैं और प्रदेश अध्यक्ष, शिवप्रकाश सिंह समेत हम सभी पदाधिकारी साथी सामूहिक त्याग पत्र दे रहे हैं।

धरना स्थल पर हरविंदर सिंह पिंदर सिंह सिद्धू सुबोध यादव शिवपूजन यादव राजेश वर्मा सुमन वर्मा पप्पू वर्मा स0 निर्भय सिंह दिनेश सिंह शोभा लोधी दिनेश शुक्ला ज्योति रत्नम् रामचन्द्र मौर्य दिलीप मौर्य सूरज मौर्य नीलम प्रजापति डा0 इस्लामुद्दीन अंसारी राजेन्द्र मौर्य विजय सिंह मनोज राठौर राजू खान शिवम सिंह श्रद्वा मौर्य राजेश मौर्य दिव्य सिंहए शैलेनद्र राज मेराज सिद्दीकी कमरूद्दीन राकेश मौर्य हरिश्चन्द्र मौर्य रामजीवन मौर्य गया प्रसाद अशोक मौर्य किरन देवी रामपति शिवसागर मौर्य रामगुलाम मौर्य विश्राम मौर्य गीता देवी सुनीता बिट्टो मौर्य राधा देवी कृष्ण पाल मौर्य रामेन्द्र मौर्य पंकज मौर्य व अन्य साथीगण मौजूद रहे।

सी0बी0सी0 योजना अंर्गत बकायेदार 15 अक्टूबर तक एक मुश्त समाधान का लें लाभ

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री संतोष गौतम ने बताया है कि उ0प्र0खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग से लिए गए ऋण के बकायेदारों को सूचित किया जाता है कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा लागू एक मुश्त समाधान योजनार्न्तगत जनपद के उद्यमियोंध् इकाईयों द्वारा ''कोविड–19'' संक्रमण फैलने के कारण भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा राज्यों को लाकडाउन किये जाने से उद्यमियोंध्इकाईयों द्वारा उक्त महामारी के कारण आपदाध् विपदाकाल में एक मुश्त समाधान योजनार्न्तगत ऋण की धनराशि जमा करने की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए उद्यमियोंध् इकाईयों को ऋण जमा करने हेतु योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए 31 दिसम्बर, 2021 तक अवधि बढाघ्ई गयी थी। उन्होंने बताया है कि योजना में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के आदेश द्वारा 15 अक्टूबर, 2021 के बाद ब्याज एवं दण्ड ब्याज एक मुश्त समाधान (ब्याज वा दण्ड ब्याज की माफी के पश्चात मात्र मूलधन ही जमा करना है) का लाभ उद्यमियोंध्इकाईयों को न दिये जसी0बी0सी0 योजनार्न्तगत बकायेदारों को सूचित किया जाता है कि 15 अक्टूबर, 2021 तक एक मुश्त समाधान (ब्याज व दण्ड ब्याज माफी के पश्चात् मात्र मूलधन ही जमा करना है) का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना का लाभ इस तिथि के बाद नहीं प्रदान किया जायेगा।

सबको वैक्सीन मुफ्त वैक्सीनके अंतर्गत निशुल्क कोरोना वैक्सीन शिविर का डॉ आदर्श त्रिपाठी और अब्दुल अजीज सिद्दीकी ने किया आयोजन'

अवध की आवाज

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर

से लड़ने के लिए और शहर वासी वैक्सीन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोरोना मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश पर लखनऊ के बालागंज कैंपल रोड में स्थित अंबेडकर पार्क में निशुल्क कोरोना वैक्सीन शिविर का आयोजन जर्मन होम्योपैथिक क्लीनिक के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ आदर्श त्रिपाठी तथा प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल अजीज सिद्दीकी के संयुक्त तत्वाधान में लगाया गया जिसमें डॉ आदर्श त्रिपाठी द्वारा वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में जो भ्रम था। उसे दूर करते हुए और आम नागरिक को जागरूक करने के लिए इससे पहले भी एक वैक्सीन निशुल्क शिविर का आयोजन डॉ आदर्श त्रिपाठी और अजीज सिद्दीकधी द्वारा किया जा चुका है। जर्मन होम्योपैथिक क्लीनिक द्वारा लखनऊ की जनता को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन करके कोरोना से बचाव और वैक्सीन के लिए लोगों को जागरूक करने का काम पिछले 2 वर्ष से लगातार जर्मन होम्योपैथिक क्लिनिक और पीएमडब्ल्यूजेए द्वारा किया जाता रहा है पिछले निशुल्क वैक्सीन शिविर में लगभग एक हजार से ज्यादा लोगों ने अपना और अपने परिवार वालों का वैक्सीनेशन कराया था, इस बार सुबह 9 बजे से भारी संख्या में शहरवासियों ने निशुल्क वैक्सीन पर पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन कराया लगभग 9 सौ से ज्यादा लोगों ने अपना और अपने परिवार वालों का वैक्सीनेशन कराया, लोगों ने बताया की पिछली बार जिन लोगों को वैक्सीन लगाई गई उन्हें कोई भी साइड इफेक्ट नहीं हुआ वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं, निशुल्क वैक्सीन शिविर मे सभी को कोविडशीलड वैक्सीन का टीका लगाया गया, होम्योपैथिक के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ आदर्श त्रिपाठी ने आम जनता को जागरूक करते हुए कहा की कोरोना से बचने का बस यही एक तरीका है कि जल्द से जल्द अपना वैक्सीनेशन कराएं और अपने परिवार वालों को भी कोरोना का टीका लगवाएं खुद को भी सुरक्षित करें अपने परिवार वालों को कोरोना से सुरक्षित करें और अपने आसपास के लोगों को जागरूक करें और उनके मन के भ्रम को दूर करें की वैक्सीनेशन कराने से कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है बल्कि हमारी इम्यूनिटी बूस्ट होती है और कोरोना वायरस से लड़ने में सहायक होती है, शिविर में सभी को कोविड शील्ड वैक्सीन लगाई गई, शिविर में डॉ आदर्श त्रिपाठी अजीज सिद्दीकधी के साथ–साथ बीके मिश्रा, समस्त डॉक्टरों एवं पत्रकारों की टीम मौजूद रही।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित हुए गुरूजन, डीएम ने 75 शिक्षकों को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

शिक्षक समाज की दशा और दिशा के निर्णायक–डीएम

माता–पिता और शिक्षक दुनिया के सबसे बड़े मार्गदर्शक–सूरज पटेल

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस पर बीते वर्षों में शिक्षण क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने, बच्चों में पढ़ाई के प्रति ललक पैदा करने और कोरोना काल में ऑनलाइन क्लास के संचालन में योगदान देने वाले 75 शिक्षकों को जिला पंचायत सभागार में डीएम मार्कण्डेय शाही व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सूरज पटेल द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बताते चलें कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 75–75 उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया जिसके क्रम में रविवार को जनपद स्तर पर जिला पंचायत सभागार में डीएम द्वारा 75 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। दीप प्रज्वलित कर एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण के उपरान्त बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज की दशा और दिशा तय करते हैं। वे अपने ज्ञान के माध्यम से बच्चों में नैतिकता, राष्ट्र प्रेम व कुछ कर गुजरने का जज्बा भरने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में गुरू को भगवान से बड़ा दर्जा आदि काल से ही दिया गया है। आज के परिवेश में पुस्तकीय ज्ञान ही प्रासंगिता नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक मूल्यों की भी जानकारी देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु नकल विहीन परीक्षाएं आयेजित कराने का प्रयास किया गया। इसी के साथ बालिका व महिला सशक्तीकरण को लेकर सरकार द्वारा तमाम योजनाएं

संचालित की जा रही हैं। उन्होंने इस अवसर पर सम्मानित होने वाले गुरूजनों को बधाई दी। सम्मान समारोह में ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्एसडीएम सदर सूरज पटेल ने कहा कि माता–पिता और शिक्षक दुनिया के सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा नींव मजबूत करने का काम करती है तो वहीं माध्यमिक शिक्षा बच्चों का वास्तविक चरित्र निर्माण का कार्य करती है। उन्होंने महान दार्शनिक अरस्तु के प्रेरणादायक विचारों के माध्यम से सभागार में उपस्थित अध्यापकों को प्रोत्साहित किया। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने विगत चार वर्षों में माध्यमिक शिक्षा के उन्नयन को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विगत चार वर्षों में सरकारी कालेजों में 73 अध्यापकों तथा अनुदानित विद्यालयों में 53 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है तथा शीघ्र ही 21 संस्कृत विद्यालयों में अध्यापकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विद्यालयों में संसाधनों एवं अवस्थापना सुविधाओं को लेकर बड़े पैमाने पर काम किया गया है। उन्होंने सभी शिक्षकों को इस अवसर पर बधाई दी। इस दौरान नारी ज्ञान स्थली महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में 75 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सीएम हेल्प लाईन मे दर्ज प्रकारणो का एक संप्ताह मे करे निराकरणः–राजीव रंजन मीना

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। सिंगरौली ग्राम पंचायतो सहित नगर निगम के वार्डो मे आयोजित होने वाले जनाधिकार शिविरो मे पात्र हितग्राहियो को निर्धारित किये गये लक्ष्य के अनुसार जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ दिया जाना संबंधित शिविरो के नोडल अधिकारी , आर.आर. टीम के अधिकारी सुनिश्चित कराये। तथा सीएम हेल्प लाईन मे दर्ज प्रकरणो का एक संप्ताह के अंदर शत प्रतिशत निराकरण किया जाना संबंधित विभागीय अधिकारी सुनिश्चित करे उक्त आशय के निर्देश टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना के द्वारा बैठक मे उपस्थित संबंधित अधिकारियो को दिया गया।

कलेक्टर ने कहा कि 7 सितम्बर को पूर्व मे निर्धारित दिवस के तहत ग्राम पंचायतो एवं नगर निगम के वार्डो मे जनाधिकार शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर मे निःशुल्क आयुष्मान कार्ड, जन धन के खाते, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, अटल पेशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना खाते खोले जायेंगे। वही उज्जवला योजना 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियो से निःशुल्क गैस कनेक्शन के आवेदन प्राप्त किये जायेगे। उन्होने कहा कि योजनाओ का लाभ प्रदान किये जाने हेतु शिविरो मे लक्ष्य निर्धारित किये गये है। उन्होने निर्देश दिये कि तय लक्ष्य के अनुसार पात्र हितग्राहियो को लाभ दिलाये इसके लिए पंचायतो एवं नगर निगम के वार्डो मे व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराया जाये।

कलेक्टर के द्वारा सीएम हेल्प लाईन दर्ज शिकायतो के निराकरण के प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होने कहा कि अभी तक कई

विभाग सी एवं डी श्रेणी मे है यह अत्यन्त खेद जनक है उन्होने निर्देश दिया कि विभागीय अधिकारी एक संप्ताह के अंदर शिकायतो का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करे। उन्होने 300 सौ दिवस से लंबित शिकायतो सहित लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनो के निराकरण के साथ साथ वटनवारा, नामातरण, सीमांकन, के लंबित प्रकरणो के निराकरण की जानकारी ली। तथा निर्देश दिये कि निर्धारित समय सीमा के अंदर प्रकरणो का निराकरण किया जाना सुनिश्चित करे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कोविड वैक्सीनेशन टीकाकरण के प्रगति की समीक्षा करते हुये कहा कि अभी तक लक्ष्य के अनुरूप कई पंचायतो मे टीकाकरण नही किया गया है जिसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कर लोगो के टीकाकरण के लिए जागरूक किया जाये ताकि पंचायतो मे शत प्रतिशत टीकाकरण किया जा सके। उन्होने संबंधित जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियो सहित आर.आर.टीम के सदस्यो एवं टीकाकरण मे लगे अमले को निर्देश दिये लक्ष्य के अनुरूप अपने जनपदो मे टीकाकरण कराया जाना सुनिश्चित कराये। उन्होने निर्देश दिया कि सभी उपखण्ड अधिकारी अपने अपने क्षेत्रो मे टीकाकरण कार्य की लगातार मानीटरिंग करे। उन्होने जिले के बेरोजगार युवाओ को रोजगार के मुख्या धारा से जोड़ने हेतु 24 सितम्बर को जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित कराने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने गणवेश वितरण के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि सितम्बर माह के अंत तक शत प्रतिशत गणवेश वितरण सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर ने अंकुर अभियान के तहत किये जा रहे वृक्षा रोपण की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वृक्षा रोपण किया जाना सुनिश्चित करे तथा वृक्षा रोपण करने के पश्चात एप मे फोटो भी अपलोड करे। वही प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर स्वनिधि योजना के तहत बिना ब्याज के दिये जा रहे ऋण के संबंध मे जानकारी लेने के पश्चात निगमायुक्त को निर्देश दिये गये निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पात्र हितग्राहियो को लाभ दिया जाना सुनिश्चित कराये।

बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी साकेत मालवीय, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर विकास सिंह, बी.पह पाण्डेय, एसडीएम ऋषि पवार, सम्पदा सर्राफ, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा, निगमायुक्त आरपी सिंह, तहसीलदार जीतेन्द्र बर्मा, जान्हवी शुक्ला, दिव्या सिंह, खनिज अधिकारी ए.के राय, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुराग मोदी, एलडीएम अमर सिंह, डी.पी.ओ राजेश गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी आरपी पाण्डेय, डीपीसी आर.के दुबे, सहकारिता अधिकारी पी.के मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

पेनेलोप क्रूज मेडिटेशन के जरिए होती हैं तनाव मुक्त

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। ऑस्कर विजेता अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज तनाव को कम करने और जीवन के संघर्षों का सामना करने के लिए ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन करती हैं। फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेनिश स्टार ने पहली बार ध्यान

का प्रयोग तब किया था जब वह टीन एज थी। उसके बाद उन्होंने अपने फिल्म के सेट पर इसे डीकंप्रेस करने और अपनी किसी भी चिंता को कम करने के लिए इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया। क्रूज ने कहा कि मैंने एक टीनऐज से ध्यान करना शुरु किया था। मैंने फिर इसे कुछ दिन के लिए बंद कर दिया और फिर मैंने पारलौकिक ६ यान पाठ्यक्रम लिया और मैंने खुद को इसके लिए समर्पित करने का फैसला किया। अभिनेत्री के अभिनेता पति जेवियर बार्डेम के साथ दो बच्चे बेटा लियो और बेटी लूना हैं। वह हमेशा अपने करियर और परिवार में व्यस्त रहती हैं और अपने बच्चों के लिए जितना हो सके उतना खुद को समर्पित करना चाहती हैं। जब एनकार्ना नाइन स्टार और अपने भाई–बहनों की परवरिश कर रही थी, तब उसकी माँ एनकार्ना उनसे खुद के लिए अधिक समय निकालने के लिए कहती रहती थी। इटेलियन प्रकाशन आईओ डोना से बात करते हुए, क्रूज ने कहा कि मेरे पास एक विशेषता है जो मुझे अपनी मां से विरासत में मिली है वो है परिवार को समय देना। वह बहुत व्यस्त थी और फिर भी बहुत उदार थी। वह अपने तीन बच्चों को सब कुछ देने में कामयाब रही। अब वह मुझसे कहती है कि तुम्हें आराम करना चाहिए, तुम्हें अपने लिए समय निकालना चाहिए। क्रूज ने एक अभिनेत्री के रूप में काम करते हुए 30 साल बिता दिए है, और वह हर दिन ये सोचकर बहुत खुश होती है कि उनके बचपन का सपना सच हो गया।

शमिता शेट्टी ने राकेश के लिए किया फीलिंग्स का इजहार, पर इस कारण लग रहा डर

मुंबई, (वेब वार्ता)। 'बिग बॉस ओटीटी' में अगर किसी कनेक्शन की केमिस्ट्री दर्शकों को पसंद आ रही है तो वह हैं राकेश बापट और शमिता शेट्टी। दोनों की जोड़ी को खूब पसंद किया जा रहा है। राकेश बापट को देखकर तो ऐसा लगता है कि वह शमिता शेट्टी के प्यार में डूब चुके हैं। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। राकेश बापट जिस तरह शमिता का ख्याल रखते हैं और उन्हें पैंपर करते हैं, उसने सिर्फ फैन्स ही नहीं शमिता का भी दिल जीत लिया है। तभी तो शमिता ने अब राकेश बापट के लिए अपनी फीलिंग्स का इजहार कर दिया है।

शमिता राकेश को पसंद करती हैं, लेकिन एक चीज है जो उन्हें कमिटमेंट करने से रोक रही है और इसे लेकर वह बहुत डिस्टर्ब हैं। शमिता शेट्टी, हाल ही इस बारे में नेहा भसीन के साथ बात करती दिखीं। वूट ने इनकी बातचीत का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में नेहा भसीन, शमिता शेट्टी से जब पूछती हैं कि क्या वह और राकेश एक–दूसरे को पसंद करते हैं तो ऐक्ट्रेस कहती हैं, 'हम एक–दूसरे को वाकई पसंद करते हैं। वह बहुत ही लवली हैं, लेकिन वो मुझे कभी–कभी बहुत कन्फ्यूज लगते हैं। यह मेरे लिए थोड़ा डिस्टर्बिंग है क्योंकि मैं बिल्कुल भी कन्फ्यूज नहीं हूं। मेरे दिमाग में जब मैं कोई चीज ठान लेती हूं तो मैं उस पर कायम रहती हूं।' शमिता शेट्टी इसी कारण राकेश बापट के करीब जाने से डर रही हैं। अब देखना यह होगा कि आने वाले वक्त में शमिता शेट्टी, राकेश बापट के साथ अपने कनेक्शन को अगले पड़ाव पर ले जाना चाहेंगी या फिर इनका कनेक्शन सिर्फ गेम तक ही सीमित रहेगा। वैसे राकेश तो शमिता के साथ अपने रिश्ते को आगे ले जाना चाहते हैं। पिछले दिनों जब एक एपिसोड में राकेश बापट ने शमिता से पूछा था कि क्या कभी उनके बीच में कुछ हो सकता है? इसके जवाब में शमिता ने कहा था कि वह शो से बाहर जाकर इस बारे में देखेंगी।

थाडम के रीमेक में आदित्य रॉय कपूर और मशणाल ठाकुर की जोड़ी आएगी नजर

मुंबई,। अभिनेत्री मशणाल ठाकुर तमिल हिट फिल्म थाडम के हिंदी रीमेक में एक मजबूत पुलिस अधि ाकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि चरित्र बहुत पेचीदा है और एक पुलिस वाले की भूमिका निभाना उसकी बकेट लिस्ट में शामिल था। अभिनेत्री फिल्म में एक पुलिस अधिकारी के रूप में अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आएंगी। सच्ची घटनाओं पर आधारित, वर्धन केतकर द्वारा निर्देशित बिना शीर्षक वाली थ्रिलर इस साल अक्टूबर में फ्लोर पर जाएगी। मशणाल ने कहा कि जब मैंने फिल्म की कहानी सुनी, तो मुझे तुरंत पता चल गया कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने की जरूरत है। मेरा किरदार बहुत पेचीदा है और एक पुलिस वाले की भूमिका मेरी बकिट लिस्ट में शामिल थी। मशणाल ने कहा कि यह मेरे द्वारा अब तक निभाए गए सभी किरदारों से बहुत अलग भूमिका होगी और मैं दर्शकों के सामने इसे पेश करने का इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री को बोर्ड पर लाते हुए, निमार्ता भूषण कुमार

ने कहा कि जब मुराद भाई और मैं पुलिस वाले के चरित्र पर चर्चा कर रहे थे, तो हमने तुरंत मशणाल के बारे में सोचा। उसने अपनी फिल्मों में कई दिलचस्प भूमिकाएँ चुनी हैं और उनमें अपने प्रदर्शन के साथ उभर के सामने आई है। उन्होंने आगे कहा कि हमने सोचा था कि वह इस किरदार के लिए बिल्कुल सही होगी और हमें खुशी है कि वह इसका हिस्सा बनने के लिए समान रूप से उत्साहित है। निमार्ता मुराद खेतानी ने कहा कि भूषणजी के साथ मेरी चर्चा के दौरान, हमने तुरंत भूमिका के लिए मशणाल के बारे में सोचा था। जब हमने उनसे इस चरित्र के साथ संपर्क किया, तो वह उत्साहित थीं। हम उनके साथ जल्द काम शुरु करने की उम्मीद कर रहे हैं।

जोडी फोस्टर की माँ नहीं चाहती थी कि वह कॉलेज जाएं

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। दो बार की ऑस्कर विजेता जोड़ी फोस्टर ने अपने जीवन में दो बार अपनी मां की सलाह को नजरअंदाज

किया, पहली बार जब उन्होंने उसे कॉलेज न जाने के लिए कहा, और दूसरी बार जब उन्होंने उसे निर्देशक नहीं बनने के लिए कहा था। फोस्टर ने अपने करियर की शुरूआत 1960 में विज्ञापनों और टीवी शो से कि थी, जब वह सिर्फ तीन साल की थीं। उन्होंने खुद को मार्टिन स्कॉर्सेज की टैक्सी ड्राइवर और बच्चों के हिट संगीत बगसी मेलोन में अपने प्रशंसित प्रदर्शन के साथ एक प्रमुख युवा प्रतिभा के रूप में स्थापित किया। फीमेलफर्स्ट डॉट को.यूके की रिपोर्ट के अनुसार 1980 में उन्होंने येल विश्वविद्यालय में अफ्रीकी–अमेरिकी साहित्य का अध ययन करने के लिए हॉलीवुड से ब्रेक लिया था। उनकी मां एवलिन ने फोस्टर को पढ़ने से रोकने की कोशिश की थी क्योंकि उन्हें लगा थी कि ऐसा करने से उनका अभिनय करियर बर्बाद हो जाएगा। फोस्टर की मां यह भी नहीं चाहती थी कि वह कैमरों के पीछे कदम रखे और निर्देशक बने। अपने करियर में लिए गए कुछ सबसे बड़े जोखिमों के बारे में बात करते हुए, फोस्टर ने साझा किया कि ठीक है, पहले मैं सिनेमा में रहने के बजाय विश्वविद्यालय जाना चाहती थी। मैंने येल में पांच साल तक पढ़ाई की। हर कोई मुझसे कह रहा था, तुम्हारा करियर खत्म हो जाएगा लेकिन बाद में मैंने जो किया उसके लिए मेरी शिक्षा बहुत उपयोगी थी। मैंने विश्वविद्यालय में गहराई से पढ़ना सीखा और इससे एक अभिनेत्री के रूप में मेरे काम में मदद मिली। और फिर मैं ऑस्कर के ठीक बाद एक निर्देशक बन गई और मेरी माँ ने मुझसे कहा कि एक निर्देशक बनना बहुत बुरा विचार है, क्योंकि मैं अपने अभिनय करियर की ऊंचाई पर थी और यह वह क्षण था जब मैं सबसे ज्यादा पैसा कमा सकती थी। फोस्टर ने कहा कि वह खुश हैं कि उन्होंने अपनी मां की सलाह नहीं मानी। उसके अनुसार यह एक बहुत बुरा विकल्प था। मैंने उनकी नहीं सुनी और मैं बहुत खुश हूं। फोस्टर ने दो सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री अकादमी पुरस्कार जीते हैं, पहला 1988 के पावरफुल ड्रामा द एक्यूज्ड में एक रेप सर्वाइवर के रूप में उनके प्रदर्शन के लिए और दूसरा 1991 की हॉरर फिल्म द साइलेंस ऑफ द लैम्ब्स में एफबीआई प्रशिक्षु क्लेरिस स्टार्लिंग का पीछा करते हुए सीरियल किलर की भूमिका निभाने के लिए। फोस्टर को लगता है कि उन प्रशंसाओं की उनकी यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने रॉबर्ट डी नीरो के साथ टैक्सी ड्राइवर में कम उम्र की वेश्या की भूमिका निभाई थी। फोस्टर ने कहा कि यह अमेरिकी फिल्मों का स्वर्ण युग था, यह एक आर्टहाउस फिल्म थी और मुझे इसमें होने पर बहुत गर्व था। यह भाग्य था, और मैं बहुत भाग्यशाली थी।

गर्ल्स अलाउड गायिका सारा हार्डिग का 39 साल की उम्र में निधन

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही गर्ल्स अलाउड गायिका सारा हार्डिग का 39 साल की उम्र में निधन हो गया। इसकी जानकारी उनकी मां ने दी। फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, प्रॉमिस गायिका ने पिछले साल साझा किया कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है और रविवार को उनकी मां ने यह खबर दी कि उनकी रीढ़ की हड्डी में बीमारी फैलने के बाद उनका निधन हो गया है। हार्डिग के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक संदेश में, उनकी मां मैरी ने लिखा, यह गहरे दुख की बात है कि आज मैं यह खबर साझा कर रही हूं कि मेरी खूबसूरत बेटी सारा का निधन हो गया है। आप में से कई लोगों को सारा की कैंसर से लड़ाई के बारे में पता होगा और उसने आखिरी दिन तक काफभ् मजबूती से लड़ाई लड़ी थी। वह आज सुबह शांति से चली गई। मैरी ने पिछले एक साल में लोगों के समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद दिया। हार्डिग ने कहा था, दिसंबर में मेरे डॉक्टर ने मुझे बताया कि आगामी क्रिसमस शायद मेरा आखिरी होगा। मैं सटीक पूवार्नुमान नहीं चाहती। मुझे नहीं पता कि कोई ऐसा क्यों चाहेगा। आराम और जितना संभव हो उतना दर्द मुक्त होना क्या अब मेरे लिए जरूरी है। उन्होंने कहा था कि वह अपने जीवन के हर पल को जीने और आनंद लेने की कोशिश कर रही हैं चाहे वह कितना भी लंबा हो। हार्डिग ने कहा, मैं इस सब के दौरान एक या दो गिलास वाइन पी रही हूं, क्योंकि यह मुझे आराम करने में मदद करता है। मुझे यकीन है कि कुछ लोग सोच सकते हैं कि यह एक अच्छा विचार नहीं है, लेकिन मैं खुद को आराम पहुंचाने के

लिए करती हूं। अब एक मंच जहां मुझे नहीं पता कि मेरे पास कितने महीने बचे हैं। कौन जानता है, शायद मैं सभी को आश्चर्यचकित कर दूं। उन्होंने कहा कि अपनी मां और अपने दोस्तों के साथ समय बिताना उसकी प्राथमिकता थी और उसने मरने से पहले एक पार्टी करने की इच्छा व्यक्त की। हार्डिंग ने अभिनय में भी हाथ आजमाया था। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया था। उन्हें 2017 में सेलिब्रिटी बिग ब्रदर के विजेता के रूप में ताज पहनाया गया था।

प्रतापगढ़ में व्यापारी को गोली मारने वाले तीन बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

प्रतापगढ़, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के लालगंज इलाके में लूट के असफल प्रयास के बाद, व्यापारी को गोली मारने वाले तीन बदमाश मुठभेड़ में घायल हो गये,जिन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को लालगंज इलाके में जलेसरगंज में बाइक सवार तीन बदमाशों ने लूट के प्रयास में सफल नहीं होने पर राइस मिल संचालक मनीष केसरवानी को गोली मार कर फरार हो गये थे। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद दो बदमाश अपनी बाइक से जबकि तीसरा बदमाश गांव के कोटेदार की मोटर साइकिल छीनकर फरार हो गया था। उसके बाद बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई। इसी बीच सूचना मिली की व्यापारी को गोली मारने वाले बदमाश जेठवारा इलाके के बढ़नी गांव में अर्द्धनिर्मित मुर्गी फार्म में छुपे हैं और उनमें से एक बदमाश को चोट भी लगी है। बदमाश उसके उपचार कराने की फिराक में हैं। श्री अंतिल ने बताया कि सूचना पर लालगंज पुलिस व स्वाट टीम मौके पर पहुंची और बदमाशों को पकड़ने के लिए घेराबन्दी की गई। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया गया और भागने लगे, पुलिस ने ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें तीन बदमाश गोली लगने से घायल हो गये। घायल बदमाशों में अजीत गौतम, प्रद्युमन सरोज और सुरेश शामिल है। गिरफ्तार बदमाशों को अस्पताल भेज दिया। उनके कब्जे से पिस्टल, तमंचे, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल के अलावा कोटेदार से छीनी गयी बाइक भी बरामद की गई।

शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले चार पैसे गिरकर 73.06 पर पहुंचा

मुंबई, (वेब वार्ता)। अमेरिकी डॉलर में मजबूती की वजह से भारतीय रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में उसके मुकाबले चार पैसे गिरकर 73.06 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 73.02 पर खुला, इसके बाद नीचे गिरकर 73.06 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की गिरावट को दर्शाता है। रुपया पिछले सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.02 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत बढ़कर 92.20 पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार थे। अस्थायी विनिमय आंकड़ों के अनुसार उन्होंने शुक्रवार को 768.58 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 274.79 अंक या 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,404.74 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह, व्यापक एनएसई निफ्टी 74.70 अंक या 0.43 प्रतिशत बढ़कर 17,398.30 पर पहुंच गया। इस बीच वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71.84 डॉलर प्रति बैरल पर था।

स्कूलों नहीं, अब समुदाय में,होगी फाइलेरिया की सैपलिंग

अवध की आवाज

लखनऊ। संचरण मूल्यांकन सर्वेक्षण (टास) के तहत लिम्फेटिक फाइलेरिया की सैंपलिंग अब स्कूलों के बजाय समुदाय में होगी। यह फैसला कोविड–19 के संक्रमण के कारण स्कूलों में लगातार कम बच्चों

की उपस्थिति के कारण लिया जा रहा है। यह कहना है निदेशक, सीएचसी डॉ माला का। डॉ माला सोमवार को सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रीसर्च (सीफार) के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने बताया कि समाज में लिम्फेटिक फाइलेरिया का संक्रमण आंकने के लिए अभी तक छात्र–छात्राओं की उनके शैक्षणिक संस्थान में ही उनका सैंपल लिया जाता था। लेकिन कोरोना काल में पहले तो शैक्षणिक संस्थान बंद थे। अब खुले भी तो अधिकांश संस्थानों में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति काफी काम है। इसलिए अब यह सैंपलिंग का कार्य समुदाय आधारित होगा। यह सैंपलिंग सालभर में एक बार चलने वाले राउंड मास ड्रग एड्मिनिस्ट्रैशन (एमडीए ६ आईडीए) के बाद होती है। राज्य कार्यक्रम अधि ाकारी, फाइलेरिया डा0 वी0पी0 सिंह ने बताया कि रामपुर जनपद फाइलेरिया से पूरी तरह मुक्त हो गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि रामपुर की तरह ही फाइलेरिया प्रभावित प्रदेश के अन्य जनपद भी फाइलेरिया रोग से जल्द ही मुक्त होंगे। इस कारण से टास के प्रथम चरण की की सफलता के बाद प्रदेश के रामपुर जनपद में एमडीए कार्यक्रम रोक दिया गया है। डॉ तनुज शर्मा, राज्य समन्वयक, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि बीते कई वर्षों के एमडीए की तुलना में वर्तमान एमडीए कार्यक्रम की कवरेज 33 फीसद से बढ़कर 78 फीसद हो गयी है। यह हम सभी के लिए अत्यंत ही उत्साहवर्धक है। यह आंकड़ा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और सहयोगी संस्थाओं के पारस्परिक समन्वय से किये गए अथक प्रयासों का परिणाम है। चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पाथ संस्था के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शौएब अनवर ने फाइलेरिया के बारे में सीफार के प्रतिनिधियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसमे वर्चुअल माध्यम से बीएमजीएफ से पूजा सहगल और पीसीआई से राजश्री ने भी संचार कौशल पर अपनी बात रखी।

मच्छरजनित बीमारियों से बचने को बरतें सावधानी : सीएमओ

अवध की आवाज ब्यूरो

हरदोई। बारिश के मौसम में सावधानी न बरतने से मच्छरजनित परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का कारण बनती हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सूर्यमणि त्रिपाठी बताते हैं दृसावधानी बरतकर मच्छरजनित बीमारियों से बचा जा सकता है। मच्छरजनित परिस्थितियां पैदा ही न होने दें तो डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियाँ नहीं पनपेंगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– डेंगू एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है जो दिन के समय सक्रिय रहता है और घर के भीतर साफ पानी में पनपता है। साधारण डेंगू बुखार में तेज बुखार के साथ सिर , पीठ और जोड़ों में दर्द होता है। आँखें लाल होना और आँखों के पीछे दर्द होना तथा आँखों को दबाने पर दर्द का बढ़ जाना। शरीर पर लाल चकत्ते होना।

साधारण डेंगू बुखार के साथ –साथ मरीज में यह लक्षण दिखायी दें तो डेंगू हीमरेजिक बुखार(डीएचएफ) की शंका की जा सकती है। डेंगू हीमरेजिक बुखार के लक्षण हैं– नाक और मसूड़ों से, शौच से, उल्टी से खून आना और त्वचा पर गहरे नीले–काले रंग के चक्कते पड़ना।

डेंगू शॉक सिंड्रोम में इन लक्षणों के साथ–साथ शॉक की अवस्था के कुछ लक्षण भी प्रकट हो जाते हैं। यह लक्षण हैं दृ रोगी अत्यधिक बेचौन हो जाता है, बुखार तेज होने के बाद भी शरीर ठंडा लगता है। रोगी धीरे–धीरे होश खोने लगता है। रोगी की नाड़ी की जाँच करने पर वह तेज और कमजोर महसूस होती है। ब्लड प्रेशर कम होने लगता है।

वायरल बुखार मुख्यतः बदलते मौसम के कारण होता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर हम इससे बच सकते हैं। वायरल बुखार के मुख्य लक्षण हैं – खांसी, जुकाम, गले में दर्द, बुखार, जोड़ों में दर्द, उल्टी तथा दस्त जबकि मलेरिया में सर्दी और कंपकपी के साथ में बुखार आता है। तेज बुखार और सिर दर्द होता है। बुखार उतरने पर पसीना आता है। कमजोरी महसूस होने के साथ उल्टी आ सकती है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– डेंगू से बचने के लिए घर व आस–पास पानी न इकठ्ठा होने दें। पूरी बांह के कपड़े पहनें। मच्छररोधी क्रीम लगायें। फ्रिज और गमलों की ट्रे, पुराने टायर, बर्तन और कूलर की नियमित रूप से सफाई करें। कूलर सप्ताह में एक बार साफ कर सुखाएं और उसके बाद ही प्रयोग करें। खिड़की – दरवाजों में जाली का प्रयोग करें। बुखार होने पर सिर्फ और सिर्फ पैरासिटामोल का प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन कोशिश यही रहे कि चिकित्सक की सलाह पर ही किसी दवा का सेवन करें। स्वयं कोई इलाज न करें, किसी प्रशिक्षित चिकित्सक से ही इलाज कराएं। मरीज को पास के स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ। तेज बुखार होने पर माथे पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– वर्तमान में जिले में डेंगू के दो मरीज हैं। हमने एहतियातन सभी तैयारियां कर ली हैं। डेंगू के लिए जिला अस्पताल में 10 और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 5–5 बेडों की व्यवस्था की गयी है। बुखार या इससे सम्बंधित किसी भी आकस्मिकता की स्थिति में कण्ट्रोल रूम के हेल्पलाइन नम्बर दृ 9044007272 एवं 8318992863 पर तत्काल सम्पर्क करें। जनपद में जांच हेतु 22 टीमों को लगाया गया है। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर फीवर क्लिनिक और फीवर हेल्प डेस्क बनाया गया है। जहाँ मरीज अपनी जांचे और इलाज निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही बुखार संबधित शंका का समाधान भी कर सकते हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी(डीएमओ) जीतेंद्र कुमार का कहना है– दृ बच्चों को बारिश में न भीगने दें और यह सुनिश्चित करें कि वह गीले कपड़े न पहने। ठंडा पानी, आइसक्रीम या अन्य ठन्डे खाद्य पदार्थ बच्चे को न खाने दें। घर का ताजा व अच्छे से पका हुआ खाना खिलाएं। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले फल व सब्जियों का सेवन करें। बाहर के खाने से परहेज करें। इन सबके साथ इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि बेवजह घर से बाहर न निकलें। अगर घर से निकलते हैं तो मास्क अवश्य लगायें। सार्वजनिक स्थानों पर दो गज की दूरी बनाकर रखें। बार–बार चेहरे को न छुएं। हाथों को साबुन और पानी से धोते रहें , बच्चे को फुल आस्तीन के कपड़े पहनाएं। बच्चे में कोरोना से बचाव के प्रोटोकॉल का पालन करना सुनिश्चित कराएं।

बुखार होने की स्थिति में शरीर में पानी की कमी न होने दें। मरीज को फलों का रस, नारियल पानी और जीवन रक्षक घोल दें, सब्जियों का सूप पिलायें और भरपेट खाना दें।

तेज तर्रार छवि के इंस्पेक्टर गुडंबा मो. अशरफ ने गुडंबा का चार्ज संभाते ही अपराधियों पर कसा शिकंजा

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त उत्तरी के निर्देशन व अपर पुलिस उपयुक्ता के पर्यवेक्षण में एसीपी गाजीपुर सुनील शर्मा के निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक गुडम्बा मो0 अशरफ के नेतृत्व में मिली बड़ी सफलता। जानकीपुरम में हुई महिला से मोबाइल इस्नेचिंग करने वाले दो सगे भाई चढ़े पुलिस के हत्ते। अजीत रावत व सुजीत रावत को गुडंबा पुलिस ने किया गिरफ्तार। पकड़े गए दोनो आरोपियों के पास से एक अवैध तमंचा एक जिंदा कारतूस एक वीवो मोबाइल हुआ व घटना में प्रयोग होने वाली मोटरसाइकिल हुई बरामद। उपनिरीक्षक मारूफ आलम द्वारा पकड़े गए अपराधी पहुंचे सलाखों के पीछे।

क्षेत्र की कई समस्याओं का विधायक को अवगत कराया,विधायक ने दिया निवारण का आश्वासन

अवध की आवाज

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली के अंतर्गत आज भारतीय जनता पार्टी के उन्नाव सदर विधायक पंकज गुप्ता जी का आगमन अवध की आवाज के अपराध संवाददाता विकास श्रीवास्तव जी के निवास पर हुआ। जिनका स्वागत अपराध संवाददाता विकास श्रीवास्तव एवं स्वास्थ्य संवाददाता दीपक शुक्ला जी ने किया। विकास श्रीवास्तव ने अपने क्षेत्र की कई समस्याओं का विधायक जी को अवगत कराया। विधायक जी ने सभी समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण का आश्वासन दिया। इस मौके पर क्षेत्रीय सभासद डब्बू जायसवाल और क्षेत्रीय लोगों ने आदरणीय विधायक जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य रूप से उपस्थित रहे। युवा मोर्चा की उपाध्यक्ष ईसान शर्मा। युवा मोर्चा के जिला महामंत्री धीरज सिंह। एवं बबुआ श्रीवास्तव। मनोज शर्मा। सनी बाबा। अरविंद भाई। मुकेश सिंह। वालेस यादव। पंकज वर्मा। वंश श्रीवास्तव। सत्यम शुक्ला। तरुण। आदि लोग उपस्थित रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।